केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

'चर्चा' और 'निंदा' केवल, सफल व्यक्ति यों के भाग्य में होती है, इसलिए 'सफर' ज़ारी रखें

वर्ष : 17 अंक : 93 | उज्जैन, शनिवार 12 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

प्रदेश में 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' का मंगल आरंभ 25 सितंबर से: मुख्यमंत्री

2030 के अंत तक प्रदेश के 75 प्रतिशत गांवों तक बसें पहुंचाना हमारा लक्ष्य

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में इसी महीने 25 सितंबर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का मंगल आरंभ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के नागरिकों को सुगम, सरल, सुरक्षित, आधुनिक और भरोसेमंद बस सेवा उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है और इस लक्ष्य की पूर्ति में हम 25 सितम्बर से नया कदम बढ़ाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में 5 लाख किलोमीटर का रोड़ नेटवर्क है। यहां 15 हजार से अधिक बसें चलाने का स्कोप है। हमारे नागरिकों के अलावा प्रदेश में हर साल करोड़ों की संख्या में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं द्वारा भी आवागमन के लिए बस का उपयोग किया जाता है। यह हमारे लिए चुनौती के साथ ही एक बड़ा अवसर भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निजी बस आपरेटर्स, बस निर्माता कंपनियों, इंडस्ट्री पार्टनर्स और स्टेकहोल्डर्स से अपील करते हुए कहा कि बदलते समय में मप्र में बढ़ते अवसरों को पहचाने और प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए सरकार के साथ जुड़ें। प्रदेश में यात्रियों के हित में एक ऐसा फाईनस्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट माडल तैयार करें, जो पूरे देश के लिए एक उदाहरण बने। मुख्यमंत्री डॉ यादव शुक्रवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 स्मारिका और मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन तक आम नागरिकों की पहुँच को अधिक सुगम बनाने और फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी के लिए MPYPIL और Rapido के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने MPYP-IL की 'लेट्स फिएट ए लोगो' प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। सासाराम (बिहार) के श्री सुधाकर कुमार को 5 लाख रुपये राशि के प्रथम पुरस्कार, दिल्ली के श्री चयन वोहरा को 2 लाख रुपये के द्वितीय सांत्वना पुरस्कार और भोपाल की सुश्री गौरांगी शर्मा को 1 लाख रुपये राशि के तृतीय सांत्वना पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

प्रदेश में स्मार्ट, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी इकोसिस्टम के निर्माण में प्रदेश के नागरिकों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और नवप्रवर्तकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट का बटन दबाकर एमपी मोबिलिटी इनोवेशन चैलेंज 2026 का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसके पूर्व सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में नवाचारों और आधुनिक तकनीकों पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी का शुभारंभ और अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इंदौर के जनप्रतिनिधियों और बस ट्रांसपोर्ट संचालकों ने आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में 14 सितंबर को विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी का आगमन होने जा रहा है। स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने गणेश स्थापना के माध्यम से देशवासियों को एकजुट किया था। इसी माह 17 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस है। उनके नेतृत्व में पहले गुजरात और अब भारत ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनकी दूरदर्शी सोच से पूरा भारत गौरवान्वित है। श्री मोदी सर्वाधिक समय तक शासन करने वाले देश के इकलौते नेता हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देशभर से नक्सलवाद की समस्या खत्म हुई है। मध्यप्रदेश लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला देश का पहला राज्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के दो शहरों भोपाल और इंदौर में मेट्रो दौड़ रही है। हमारे एयरपोर्ट विश्वस्तरीय हो गए हैं। लोक जीवन में लोक परिवहन का विशेष महत्व है। आज से 250 साल पहले देवी अहिल्याबाई ने अपनी दूरदृष्टि सोच के साथ मालवा से लेकर काशी और सनातन संस्कृति के चारों धामों में यात्रियों की सुविधा के लिए सभी तरह के प्रबंध किए थे। इंदौर की धरती से उन्होंने अपने संकल्प को आगे बढ़ाया। राज्य सरकार की मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा की शुरुआत से बाजार में अवसर बढ़ेंगे, जो हमें आगे बढ़ने का मौका देंगे। हमारी सरकार ने सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए सुगम परिवहन बस सेवा की योजना तैयार की है। इसमें आधुनिक तकनीक को शामिल करते हुए यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय विज्ञानियों ने तैयार किया किंग कोबरा के जहर का इलाज, लैब में तैयार किया रीकांबिनेंट एंटीवेनम

नई दिल्ली/ जीएनएस। कोबरा सांप के काटने की खबर आज भी सिहरन पैदा कर देती है। समय पर इलाज न मिले तो जहर जानलेवा साबित हो सकता है। ऐसे में भारतीय विज्ञानियों ने एक ऐसी सफलता हासिल की है, जो आने वाले दिनों में सांप काटे के इलाज की तस्वीर बदल सकती है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आइआइएससी) और जर्मनी के टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क के विज्ञानियों ने प्रयोगशाला में ऐसा एंटीवेनम तैयार किया है, जिसने अलग-अलग प्रजातियों के कोबरा के जहर को बेअसर करने में सफलता दिखाई है।चूहों पर किए गए प्रयोग में यह एंटीवेनम स्पेक्टेकल्ड कोबरा, मोनोक्लेड कोबरा और दोनों प्रकार के किंग कोबरा के जहर के खिलाफ असरदार पाया गया। इसे रीकांबिनेंट एंटीवेनम कहा जाता है। खास बात यह रही कि चूहों को जहर देने के 30 मिनट बाद भी एंटीवेनम देकर उनकी जान बचाने में सफलता मिली। जहर के असर से जिन चूहों में शरीर पर लकवे जैसे लक्षण और न्यूरोटॉक्सिक समस्याएं दिखाई देने लगी थीं, वे भी पूरी तरह ठीक हो गए।अभी ऐसे बनता है एंटीवेनमसांप काटने के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एंटीवेनम आज भी मुख्य रूप से घोड़ों और भेड़ों की मदद से तैयार किया जाता है। इसके लिए सांप का जहर इन जानवरों के शरीर में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में डाला जाता है। इससे उनके शरीर में जहर के खिलाफ एंटीबाडी बनने लगती हैं। बाद में खून से इन एंटीबाडी को अलग कर एंटीवेनम तैयार किया जाता है। करीब 100 साल से चले आ रहे इस तरीके की अपनी सीमाएं हैं। हर बार एक जैसी मात्रा और असर वाली एंटीबाडी मिलना आसान नहीं होता। एंटीवेनम के एक बैच और दूसरे बैच में अंतर हो सकता है। इसके अलावा इससे कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं और मौजूदा एंटीवेनम सभी तरह के सांपों के जहर पर समान रूप से असरदार नहीं होते।

रेलवे का 6000 HP वाला इंजन पुरानी ट्रेनों को देगा बूस्ट, 160 KM/घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी रेल

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय रेलवे अपनी पारंपरिक यात्री ट्रेनों को अधिक आधुनिक, तेज और आरामदायक बनाने के लिए उसे अपग्रेड करने जा रही है। रेलवे ने ट्रेनों के संचालन के लिए नए, ऊर्जा-कुशल और कम शोर करने वाले 6,000 HP के पावरफुल इंजन खरीदने की योजना बनाई है। यह खरीद सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के प्रौद्योगिकी भागीदारों (PPP मॉडल) के साथ आपूर्ति और रखरखाव अनुबंधों के माध्यम से की जाएगी। इन आधुनिक इंजनों को ट्रेन के दोनों सिरों पर पुश-पुल फॉर्मेट में लगाया जाएगा। ट्रेन के आगे और पीछे लगे 6,000 HP के दो इंजन मिलकर कुल 12,000 हॉर्सपावर की ताकत देंगे। इससे ट्रेन तेजी से रफ्तार पकड़ेगी और अनुकूलित रेल मार्गों पर यह पारंपरिक ट्रेनें 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगी। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इन नए इंजनों की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि ये सीधे ट्रेन के डिब्बों में रोशनी, पंखे और एयर कंडीशनिंग (AC) के लिए बिजली की आपूर्ति करेंगे। इससे ट्रेनों में अलग से डीजल पावर जनरेटर कार लगाने की जरूरत खत्म हो जाएगी। वंदे भारत एक्सप्रेस में कोई अलग से बड़ा इंजन नहीं होता, बल्कि ट्रेन के डिब्बों के नीचे ही मोटरें (इंजन) लगी होती हैं। इसके विपरीत, रेलवे की इस नई प्रणाली में पुराने डिब्बों को हटाया नहीं जाएगा। इसमें ट्रेन के आगे और पीछे दो शक्तिशाली इंजन (पुश-पुल तकनीक) लगाए जाएंगे। इससे मौजूदा डिब्बों का उपयोग भी होता रहेगा और ट्रेनें तेज रफ्तार से भी चल सकेंगी।

भारतीयों की जुबान पर चढ़ी जापान की माचा, गूगल सर्च में 1300% का उछाल

नई दिल्ली/ जीएनएस। जापान की माचा चाय अब भारतीयों की जुबान पर चढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया से शुरू हुई इसकी चर्चा अब गूगल सर्च के टॉप ट्रेंड में पहुंच गई है। लोगों में इस चाय को लेकर इतनी दिलचस्पी बढ़ी है कि पिछले साल की तुलना में 'माचा चाय कैसे बनाएं' की खोज में 1300 प्रतिशत का उछाल आया है। 'माचा' और 'माचा क्या है' की खोज भी सालभर में 50 प्रतिशत बढ़ी है।

गूगल के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त के आखिर तक भारत में माचा को लेकर लोगों की उत्सुकता रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। पिछले अगस्त में तो 'स्वाद में माचा कैसी लगती है' की खोज में 5000 प्रतिशत से ज्यादा की अचानक बढ़ोतरी हुई। गूगल के अनुसार, इंस्टाग्राम पर बढ़ी लोकप्रियता ने भी माचा को चर्चा में लाने में बड़ी भूमिका निभाई।

माचा को लेकर लोगों की दिलचस्पी सिर्फ इसे पीने तक सीमित नहीं है। दिल्ली में 'माचा नियर मी' की खोज सबसे ज्यादा हुई। इसके बाद गोवा, चंडीगढ़ और कर्नाटक में लोगों ने अपने आसपास माचा की तलाश की।

मौसम के साथ बदल रहा स्वाद-माचा को भारतीय स्वाद के मुताबिक ढालने के प्रयोग भी खूब हो रहे हैं। गर्मियों में 'मैंगो माचा' की खोज 200 प्रतिशत बढ़ी, जबकि 'स्ट्राबेरी माचा' की खोज में 400 प्रतिशत उछाल आया। मानसून में 'डर्टी माचा' और 'कोकोनट माचा' को लेकर भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ी।

अब माचा घरों में भी पहुंच रही है। पिछले साल 'माचा किट' की खोज दोगुनी हो गई। अगस्त में 'माचा व्हिस्क' और 'माचा बाउल' को लेकर भी लोगों ने खूब खोजबीन की।

सेहत को लेकर भी माचा में बढ़ती दिलचस्पी दिखाई दी। 'माचा हेल्थ' की खोज में 1000 प्रतिशत और 'माचा प्रोटीन' की खोज में 2500 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, 'क्या माचा में कैफीन होता है' की खोज 70 प्रतिशत बढ़ी।

'माचा बनाम काफी' को लेकर भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ी।माचा का असर अब चाय के कप से आगे फैशन और सौंदर्य की दुनिया तक पहुंच गया है। 'माचा शूज', 'माचा एंजाइम स्क्रब', 'माचा कैंडल', 'माचा फेसवाश' और 'माचा परफ्यूम' जैसी चीजों को भी लोग गूगल पर खोज रहे हैं।

इसलिए खास है माचा- माचा एक प्रीमियम ग्रीन टी है। इसे खास तौर पर छाया में उगाई गई चाय की पत्तियों से तैयार किया जाता है। पत्तियों को बारीक पीसकर चमकीले हरे रंग का पाउडर बनाया जाता है। आम ग्रीन टी में पत्तियों को पानी में भिगोकर बाद में निकाल दिया जाता है, जबकि माचा पाउडर को पानी में अच्छी तरह घोलकर पूरा पीया जाता है।

हवा में फेल हुआ इंजन, 40 यात्रियों की अटकी सांसें; IGI एयरपोर्ट पर Alliance Air फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रयागराज से दिल्ली आ रहे अलायंस एयर के एक विमान को शुक्रवार दोपहर हवा में इंजन फेल होने के बाद आईजीआइ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार क्रू सहित 40 सवार पूरी तरह सुरक्षित हैं।

अलायंस एयर की उड़ान संख्या 9आइ 698 ने प्रयागराज से उड़ान भरी थी। दिल्ली पहुंचने से पहले हवा में ही विमान के दो में से एक इंजन ने काम करना बंद कर दिया। अलर्ट मिलते ही आइजीआइ एयरपोर्ट पर फुल इमरजेंसी लागू कर दी गई और दोपहर करीब 2ः15 बजे विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। सूत्रों का कहना है कि जिस विमान के इंजन के फेल होने की बात सामने आ रही है, वह शुक्रवार को सुबह 10.45 बजे बिलासपुर से प्रयागराज के लिए रवाना हुआ। यहां 11.58 में लैंडिंग के बाद यह 12.33 बजे नई दिल्ली के रवाना हुआ। रास्ते में मेरठ के आसपास विमान के पायलट को कुछ दिक्कत महसूस हुई।

इसके बाद पायलट ने एटीसी को वस्तुस्थिति से अवगत कराया और एटीसी से इमरजेंसी लैंडिंग कराने की बात कहीं। इसके बाद एयरपोर्ट पर पूरी तैयारी के बीच विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई।

साइबर ठगी पर सीधा प्रहार: टेलीकॉम विभाग का नया FRI सिस्टम, 5000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी रोकी

नई दिल्ली/ जीएनएस। साइबर ठगी को लेकर सरकार की ओर से लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी साइबर ठगी को लेकर चिंता जाहिर की है।

साइबर ठगी में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि पैसा निकलते ही ठग उसे तुरंत दूसरे खातों में ट्रांसफर कर देते हैं, जिससे रकम वापस पाना मुश्किल हो जाता है।

5,000 करोड़ रुपए डूबने से बचाए - इसी खतरे को पहले ही पकड़ने के लिए दूरसंचार विभाग ने फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर यानी एफआरआई विकसित किया है। इससे अब तक 5,043 करोड़ रुपए की संदिग्ध ठगी होने से पहले रोकने में मदद मिल चुकी है।

क्या है एफआरआई सिस्टम - FRI एक ऐसा सिस्टम है जो बताता है कि किसी मोबाइल नंबर का साइबर फ्रॉड से जुड़ने का खतरा कितना है। नंबर को मीडियम, हाई या वेरी हाई रिस्क में रखा जाता है।

एफआरआई का फोकस क्या है- एफआरआई का फोकस फ्रॉड के बाद रकम खोजने पर नहीं, पैसा खाते से निकलने से पहले रोकने पर है। सिस्टम को बैंक, यूपीआई के बाद डिमैट, बीमा व पेंशन खातों से जुड़े फ्रॉड में भी इस्तेमाल करने की तैयारी है।

'परिवार को करना चाहता था चाहता था इम्प्रेस', फर्जी पीएमओ कार्ड मामले में गिरफ्तार युवक का खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित एक लग्जरी माल में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का फर्जी पहचान पत्र इस्तेमाल करने के आरोप में 24 वर्षीय रोहन पारेख को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपित ने पूछताछ में बताया है कि वह अपने परिवार को यह यकीन दिलाना चाहता था कि वह किसी महत्वपूर्ण और नेक कार्य से जुड़ा हुआ है। हालांकि, पुलिस इस दावे से संतुष्ट नहीं है और अन्य संभावित मोर्चों पर भी गहराई से जांच कर रही है।

यह घटना सात सितंबर को उस समय घटी, जब नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले आरोपित रोहन पारेख अपने साथी दिलीप कुंडे (49) और प्रथमेश बागुल के साथ माल में दाखिल हुआ था। सुरक्षाकर्मियों के साथ बहस के दौरान उसने खुद को पीएमओ अधिकारी बताया था। जांच में यह भी सामने आया है कि उसके साथ मौजूद दिलीप कुंडे के पास एक पिस्तौल थी। पुलिस का मानना है कि रोहन पारेख ने इस डिजिटल पीएमओ आइडी को तैयार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) टूल्स का इस्तेमाल किया था।

इसके अलावा, 2024 में पीएमओ में चयन होने से संबंधित एक ईमेल मिलने के उसके दावे की भी तकनीकी जांच की जा रही है। इस मामले में पुलिस ने पारेख और कुंडे को हिरासत में ले लिया है, जबकि इस साजिश में शामिल तीसरे आरोपित प्रथमेश बागुल की तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पीएम मोदी और पुतिन की बैठक, कारोबार-ऊर्जा और रक्षा समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/ जीएनएस। BRICS समिट के पहले आज भारत मंडपम में पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात हो रही है। इस मुलाकात के दौरान कारोबार, ऊर्जा और रक्षा से जुड़े मुद्दे पर चर्चा संभव है।

पीएम मोदी ने पुतिन को भेंट की किताब- इस मुलाकात को दौरान दोनों नेताओं में गर्मजोशी देखने को मिली। भारत मंडपम पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने एक दूसरे से हाथ मिलाया और गले भी मिले। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को तमिल संत, कवि तिरुवल्लुवर की किताब तिरुकुरल का रूसी संस्करण भेंट किया।

पीएम मोदी ने पुतिन को तिरुकुरल पुस्तक भेंट करते समय इसके बारे में बताया कि हमारे सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ाने में इस पुस्तक अहम भूमिका रहेगी। संत तिरुवल्लुवर ने इस किताब में मानव जीवन की अनेक विशेषताओं को बतलाया है। तिरुकुरल, तमिल साहित्य की सबसे प्रसिद्ध रचनाओं में एक - तिरुकुरल पुस्तक, तमिल साहित्य की सबसे महान और सबसे प्रसिद्ध रचनाओं में से एक है। इसे तमिल वेद के नाम से भी जाना जाता है। इसे करीब 2000 साल पहले लिखा गया था।

मोदी-पुतिन की द्विपक्षीय बैठक के मुद्दे- व्यापार का बड़ा लक्ष्य- 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य। भारत में INNOPROM - रूस के साथ औद्योगिक सहयोग बढ़ाना।

रेल सेक्टर और टनलिंग में सहयोग।

स्टील वैल्यू चेन का विकास; ज्यादा ऊर्जा अवसर रूसी बाजार तक पहुंच बढ़ाना।

सिविल न्यूक्लियर सहयोग को मजबूत करना, जिसमें फ्यूल साइकिल और लाइफ साइकिल सपोर्ट शामिल है।

मोबिलिटी में सहयोग बढ़ाना - रूस में भारतीय कुशल श्रमिकों की संख्या बढ़ाना।

महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) में सहयोग।

स्ट्रैटेजिक जॉइंट वेंचर प्रोजेक्ट्स के जरिए फर्टिलाइजर के क्षेत्र में सहयोग बनाए रखना और उसे बढ़ाना।

दिल्ली में यह समिट ऐसे समय में हो रहा है जब ग्लोबल इकॉनमी रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया संकट (खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी) और ट्रंप प्रशासन की व्यापार और टैरिफ नीतियों के बुरे असर का सामना कर रही है।

क्या है BRICS - BRICS समूह में अब कुल 11 देश हैं। इसमें ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि ये सभी देश मिलकर दुनिया की कुल आबादी का लगभग 49.5%, वैश्विक जीडीपी का 40% और वैश्विक व्यापार का 26% हिस्सा कवर करते हैं।

बात अगर मौजूदा समय की करें तो इसमें भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन के बीच भारत की यह अध्यक्षता ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार लाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पैकेट फूड पर दिखेगा बड़ा रेड वॉर्निंग लेबल, सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने जताई सहमती

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने गुरुवार सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग के लिए सख्त रेड वार्निंग लेबल को एक ही बार में लागू कर सकती है, न कि चरणों में जैसा कि अभी प्रस्तावित है। यह 100 अरब डॉलर के खाद्य एवं पेय पदार्थ उद्योग के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

केंद्र ने यह बात तब कही गई जब शीर्ष अदालत ने पहले के प्रस्ताव पर सवाल उठाए। शीर्ष अदालत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है और सख्त लेबल लागू करने में देरी के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथारिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआइ) की बार-बार आलोचना कर चुकी है।

एफएसएसएआइ ने पिछले महीने दो-चरण वाली लेबलिंग योजना का सुझाव दिया था। इसकी शुरुआत उन उत्पादों पर लाल रंग के षट्कोणीय चेतावनी वाले लेबल से होनी थी जिनमें तीन वर्गों यानी अतिरिक्त चीनी (एडेड शुगर), नमक (साल्ट) या संतृप्त वसा (सैचुरेटेड फैट) में से कम से कम दो निर्धारित सीमा से अधिक हों।

अथारिटी का कहना था कि दूसरे चरण में सख्त नियम लागू किए जाएंगे। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा था कि दो-वर्गों वाला तरीका उद्योगों को लाभ पहुंचाने वाला है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज करता है, क्योंकि इससे कई उत्पाद जांच से बच जाएंगे। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने गुरुवार को सरकारी वकील से सवाल किया कि एफएसएसएआइ दो चरणों वाला तरीका क्यों अपना रहा है।

मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर वर्ग तक पहुंचाएं कार्यकर्ता- रणवीर सिंह रावत

सेवा संकल्प अभियान को 35 मंडलों, 345 शक्ति केंद्रों और 2097 बूथों तक पहुंचाने का लक्ष्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा इंदौर महानगर की कामकाजी बैठक शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इंदौर संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा तथा विधानसभा प्रभारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में आगामी सेवा संकल्प अभियान सहित संगठनात्मक कार्यक्रमों और बूथ स्तर तक अभियान को प्रभावी रूप से पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी दल प्रधानमंत्री के जन्मदिन को व्यापक स्तर पर मनाए जाने पर सवाल खड़े करते हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के कार्यों की जानकारी पहुंचानी चाहिए।

रावत ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने गुजरात को बीमारू राज्य से विकसित राज्य की श्रेणी तक पहुंचाने का काम किया। आज गुजरात मॉडल की चर्चा देशभर में होती है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में ऐतिहासिक और व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है और आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। रक्षा के क्षेत्र में भी भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है और अब देश रक्षा उपकरणों का निर्यात भी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जन-धन खातों के माध्यम से करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है और विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों के खातों तक पहुंच रहा है। सरकार द्वारा करोड़ों लोगों को निशुल्क राशन तथा चार करोड़ से अधिक लोगों को आवास योजना के माध्यम से पक्की छत उपलब्ध कराने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग और हर तबके तक पहुंचा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचकर उन्हें सेवा संकल्प अभियान से जोड़ने का आह्वान किया।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भाजपा द्वारा सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान को प्रत्येक विधानसभा, मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता 35 मंडलों के 345 शक्ति केंद्रों और 2097 मतदान केंद्रों तक पहुंचकर लाभार्थियों एवं आम जनता के साथ सेवा के संकल्प को पूरा करेंगे।

मिश्रा ने कहा कि संगठन द्वारा मंडल प्रभारियों की नियुक्ति की गई है और उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मंडल प्रभारी नगर पदाधिकारी के समकक्ष जिम्मेदारी निभाते हुए मंडल में संगठन के कार्यों को गति देंगे। उन्होंने कहा कि मंडल स्तर पर आयोजित होने वाला प्रत्येक कार्यक्रम शक्ति केंद्रों और बूथों तक प्रभावी रूप से पहुंचे, इसकी जिम्मेदारी मंडल प्रभारियों की होगी।

बैठक में सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, राकेश शर्मा, वासुदेव पाटीदार, भूपेंद्र सिंह केसरी, भारत पारख, दीपेंद्र सिंह सोलंकी, नेहा शर्मा, नारायण पालीवाल, मंजू ठाकुर, सचिन बंसल, विशाल यादव, वरुण पाल, हेमराज वाडिया, रानू गर्ग, गोविंद पंवार, रितेश शर्मा, दीपांश खंडेलवाल, राजा कोठारी, सौरभ खंडेलवाल सहित मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी और अभियान टोली के सदस्य उपस्थित रहे।

शहर में सुचारू यातायात के लिए आयुक्त ने किया निरीक्षण, बाधक पोल-पेड़ हटाने के निर्देश

रेलवे स्टेशन, मधुमिलन, व्हाइट चर्च और दवा बाजार चौराहे का किया भ्रमण, ऑटो के लिए स्थान चिन्हित करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुचारू और बेहतर यातायात प्रबंधन को लेकर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार सुबह रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख चौराहों और मुख्य मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात में बाधा बनने वाले पोल, पेड़ और अन्य अवरोधों को हटाने या स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। साथ ही रेलवे स्टेशन क्षेत्र में ऑटो रिक्शा के व्यवस्थित संचालन के लिए सवारी बैठाने और उतारने के स्थान को चिन्हित कर मार्किंग करने को कहा।

आयुक्त सिंघल ने सबसे पहले जोन क्रमांक 11 के वार्ड क्रमांक 60 अंतर्गत सियागंज स्थित रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 के समीप सड़क का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशन होने के कारण यहां यातायात का दबाव अधिक रहता है और ऑटो रिक्शा के बेतरतीब खड़े होने से अक्सर जाम की स्थिति बनती है। इस पर आयुक्त ने सड़क किनारे ऑटो रिक्शा के लिए रैंप बनाने और सवारी बैठाने तथा उतारने के लिए स्थान चिन्हित कर उसकी मार्किंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी यदि ऑटो चालक सड़क बाधित करते हैं या अनधिकृत रूप से वाहन खड़े करते हैं तो उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने वार्ड 60 की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। क्षेत्र में कचरा और गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित क्षेत्रीय सीएसआई तथा दरोगा का तीन-तीन दिन का वेतन काटने के साथ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं बरतने और क्षेत्र में नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए।

इसके बाद आयुक्त ने मधुमिलन चौराहे का निरीक्षण किया। यहां लेफ्ट टर्न को क्लीयर करने में बाधक सीमेंट-कांक्रीट के पोल को हटाने के निर्देश दिए गए। दवा बाजार से एमवाय अस्पताल की ओर जाने वाले लेफ्ट टर्न पर एमपीईबी के डीपी के पास बाधक पेड़ और विद्युत पोल को भी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए, ताकि यातायात सुचारू हो सके।

व्हाइट चर्च चौराहे के निरीक्षण के दौरान भी आयुक्त ने लेफ्ट टर्न में बाधक पेड़ को अन्य स्थान पर ट्रांसप्लांट करने के निर्देश दिए। इसके बाद मधुमिलन चौराहे से आरएनटी मार्ग का निरीक्षण करते हुए देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर के बाहर लेफ्ट टर्न में बाधक विद्युत पोल को अन्य स्थान पर शिफ्ट करने के लिए कहा गया।

डायल-112 टीम की तत्परता से रास्ता भटकी मासूम बालिका परिजनों तक पहुंची

मेले में खिलौने बेच रहे माता-पिता से बिछड़ गई थी बालिका, पुलिस ने देर रात तलाश कर सुरक्षित सौंपा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना द्वारकापुरी क्षेत्र में देर रात रास्ता भटकी एक मासूम बालिका को डायल-112 की टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसके माता-पिता तक सुरक्षित पहुंचा दिया। बालिका अपने माता-पिता से बिछड़ गई थी, जो पास के मैदान में लगे मेले में खिलौने बेच रहे थे।

जानकारी के अनुसार 10 सितंबर 2026 की रात करीब 10 से 11 बजे के बीच डायल-112 पर एक मासूम बालिका के गुम होने जैसी स्थिति में मिलने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डायल-112 की एफआरवी-44 टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बालिका को संरक्षण में लेकर उसके माता-पिता की तलाश शुरू की।

पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्र में पूछताछ करते हुए बालिका के परिजनों को तलाशने के प्रयास किए। काफी प्रयासों के बाद पुलिस को पता चला कि बालिका के माता-पिता पास ही मैदान में लगे मेले में खिलौने बेच रहे हैं। पुलिस टीम उन्हें साथ लेकर संबंधित थाना अन्नपूर्णा पहुंची, जहां वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आवश्यक जानकारी और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई।

सत्यापन के बाद पुलिस ने बालिका को सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। पुलिस टीम ने परिजनों को भविष्य में बालिका को अकेला नहीं छोड़ने और उसकी सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने की समझाइश भी दी।

अपनी बच्ची को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने डायल-112 की टीम का आभार जताया और पुलिस की तत्परता के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत धार में कृषि विभाग के कार्यालय एवं कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आज धार जिले में उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं परियोजना संचालक आत्मा समिति कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात अधिकारियों एवं शाखा प्रभारियों से विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके बाद शासकीय कृषि प्रक्षेत्र फार्म का भ्रमण कर सोयाबीन, तुअर सहित विभिन्न फसलों की स्थिति का अवलोकन किया गया। प्रक्षेत्र अधीक्षक को फसलों के बेहतर प्रबंधन के संबंध में आवश्यक तकनीकी सलाह दी गई। धार जिले के विकासखंड तिरला के ग्राम सलकनपुर में प्रगतिशील कृषक श्री तेजराम जाट के फार्म पर आत्मा परियोजना के माध्यम से राष्ट्रीय प्राकृतिक मिशन अंतर्गत स्थापित बायो रिसोर्स सेंटर का अवलोकन किया गया। यहां विभिन्न प्राकृतिक उत्पादों, जैसे जीवामृत एवं घन जीवामृत आदि के उपयोग के संबंध में उपस्थित कृषकों से चर्चा की गई। कृषकों द्वारा मुख्य फसल के साथ फसल विविधीकरण अपनाते हुए लहसुन, प्याज, आलू एवं अन्य सब्जीवर्गीय फसलों की खेती कर अच्छा लाभ अर्जित किया जा रहा है। इस पहल की जानकारी भी ली गई।

इसी क्रम में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, सलकनपुर का निरीक्षण किया गया। समिति प्रबंधक श्री मनीष ठाकुर से उर्वरक के अग्रिम उठाव की समीक्षा की गई। टॉप-20 बायर कृषक श्री लखन कामदार एवं श्री प्रकाश जाट से अधिक मात्रा में उर्वरक लेने के संबंध में तकनीकी चर्चा कर संतुलित उर्वरक उपयोग की सलाह दी गई। समिति में उपस्थित अन्य कृषकों को वर्तमान वर्षा की स्थिति को देखते हुए आगामी रबी मौसम में कम सिंचाई वाली फसलों चना, मसूर, सरसों, अलसी, कुसुम एवं चिया सीड्स की खेती अपनाने के संबंध में तकनीकी जानकारी दी गई।

इंदौर के कैंसर अस्पताल में 43 करोड़ के लीनियर एक्सेलेरेटर पर टपक रहा लापरवाही का पानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कैंसर अस्पताल में लंबे इंतजार के बाद आधुनिक लीनियर एक्सेलेरेटर और रेडियोथेरेपी डेडिकेटेड सीटी मशीन तो आ गई, लेकिन मरीज इसका उपयोग कब करेंगे, यह अभी तक तय नहीं है। 43 करोड़ की ये मशीन जिस रेडियोथेरेपी डिपार्टमेंट में इंस्टाल की जानी है, वहां अब तक सिविल वर्क ही पूरा नहीं हुआ है। आधी-अधूरी इमारत के कमरों में ही मशीनों के बक्सों को रख दिया गया है। हाल ही में हुई बारिश के कारण मशीन के ये बक्से भी भीग गए हैं। ऐसे में मशीनों के खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है। नई इमारत के भूतल पर जिस जगह मशीन इंस्टाल होना है, वहां का काम रुका हुआ है। जहां मशीन को रखा जाना है, उसका प्लेटफार्म भी तैयार नहीं हुआ है। ऐसे में मशीन का इंस्टालेशन होने में ज्यादा समय लगेगा।

इस तरह मशीन आने के बाद भी उसका उपयोग मरीजों के लिए कब तक शुरू होगा, यह अभी तय नहीं है। कैंसर अस्पताल को आधुनिक फोरडी प्लानिंग मशीन मिली है। महंगी और आधुनिक मशीन के इंस्टालेशन में हो रही देरी अस्पताल प्रबंधन की व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर रही है। रेडियोथेरेपी डिपार्टमेंट के टीपीएस रूम में पानी- बिल्डिंग निर्माण का कार्य पीडब्ल्यूडी की पीआईयू यूनिट द्वारा किया जा रहा है। रेडियोथेरेपी डिपार्टमेंट ग्राउंड फ्लोर पर बनाया जाना है, लेकिन वहां का सिविल वर्क ही पूरा नहीं हुआ है।

ईवी बसें बदल देंगी पूरे एमपी का ट्रांसपोर्ट सिस्टम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इंदौर में यात्री परिवहन विजन समिट 2026 के दौरान तकनीक और नवाचार और प्रदेश के नवीन का ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में ही यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में बस निर्माताओं, आईटी कंपनियों, वित्तीय संस्थानों एवं अन्य उद्योगों के साथ प्रदेश के विभिन्न शासकीय निगमों की गतिविधियों और नवाचारों पर आधारित इंडस्ट्री एक्सपो का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्सपो में विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रदर्शित बसों का अवलोकन किया तथा उनके फीचर्स और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में ट्रांसपोर्ट सिस्टम परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई कंपनियों और संस्थानों ने सहभागिता की। प्रदर्शनी में कंपनियों ने अपनी तकनीक, सेवाओं, उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त उन ईवी बसों को भी प्रदर्शित किया गया, जो भविष्य में परिवहन का अहम जरिया बनेंगी। प्रदर्शनी में थिंक गैस, यश टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इंडियन ऑयल, लाइट मेट्रिक्स, एमपीआईडीसी, क्यूब कंस्ट्रक्शन, कल्याणी पावरट्रेन लिमिटेड और ओम्निफिसेंट सहित विभिन्न कंपनियों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में परिवहन क्षेत्र से जुड़े आधुनिक समाधानों, तकनीकी नवाचारों, ऊर्जा और ईंधन से संबंधित सुविधाओं तथा अधोसंरचना विकास की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया।

70वीं राज्य स्तरीय शालेय शूटिंग प्रतियोगिता सम्पन्न , इंदौर संभाग ओवरऑल चैंपियन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता 2026 अंतर्गत इंदौर में 7 से 11 सितम्बर,2026 तक आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता का आज एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल राऊ में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर संभाग श्रीमती अनीता चौहान के मुख्य आतिथ्य में समापन हुआ।

इंदौर संभाग ने 28 गोल्ड मैडल जीतकर ओवरआल चेंपियनशिप अपने नाम की- राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता के मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने बताया गया कि प्रतियोगिता में 14, 17, 19 वर्ष के भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, जनजातीय विभाग, नर्मदापुरम, सागर, रीवा उज्जैन संभागों से आए लगभग 375 प्रतिभागियों के द्वारा निशानेबाजी के कौशल का प्रदर्शन किया और इंदौर संभाग ने 28 गोल्ड,9 सिल्वर और 7 ब्रांज मेडल के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप पर कब्जा किया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में ओपन साइट में इंदौर प्रथम और सागर उज्जैन द्वितीय और भोपाल जबलपुर तृतीय स्थान पर रहे। पीप साइट में बालक/बालिका 14,17,19 आयु वर्ग में प्रथम इंदौर, उज्जैन भोपाल ग्वालियर द्वितीय और भोपाल तृतीय स्थान पर रहे। एयर पिस्टल में बालक/बालिका 14, 17, 19 आयु वर्ग में प्रथम इंदौर भोपाल द्वितीय जबलपुर इंदौर और तृतीय ग्वालियर जबलपुर रहे। व्यक्तिगत स्पर्धा में अंडर 19 बालक में एयर पिस्टल में इंदौर के कविश और अंडर 19 बालिका में पीप साइट में इंदौर के अश्विनी मुजाल्दे प्रथम रहे शूटिंग प्रतियोगिता के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण संयुक्त संचालक (शिक्षा) श्रीमती अनीता चौहान, संभागीय खेल अधिकारी श्री हेमंत वर्मा एवं एमराल्ड इंटरनेशनल स्कूल के वरिष्ठ पीटीआई श्री अकरम खान द्वारा किया गया।

जिला प्राधिकरण इंदौर द्वारा 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत हेतु विशेष विद्युत व जलकर छूट घोषित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 12 सितंबर 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन देशभर में किया जायेगा। जिला न्यायालय इंदौर , तहसील न्यायालय डॉ अंबेडकर नगर, सांवेर , देपालपुर एवं हातोद में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर श्री शिवराज सिंह गवली द्वारा जानकारी दी गई कि नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ 12 सितंबर 2026 को प्रधान जिला न्यायाधीश महोदय द्वारा जिला न्यायालय परिसर इंदौर में प्रातः 10-30 बजे किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 पराकाम्य लिखित अधिनियम, क्लेम प्रकरण, विद्युत अधिनियम, वैवाहिक विवाद सम्बंधी व अन्य सिविल प्रकरण सहित राजीनामा योग्य 8256 प्रकरण रखे गये हैं। विद्युत अधिनियम, बैंक रिकवरी, जलकर, संपत्ति कर, बी.एस.एन.एल. एवं अन्य 89000 से भी अधिक प्रीलिटिगेशन प्रकरण नेशनल लोक अदालत के समक्ष रखे गए हैं। नेशनल लोक अदालत आयोजन दिनांक को प्रकरणों की संख्या में वृद्धि होना संभावित है। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु इंदौर में जिला न्यायालय, श्रम न्यायालय, कुटुंब न्यायालय एवं उपभोक्ता फोरम को सम्मिलित करते हुए 62, तहसील न्यायालय डॉ. अंबेडकर नगर में 11, सांवेर में 04, देपालपुर में 03 एवं हातोद में 01 इस प्रकार कुल 81 खण्डपीठों का गठन किया गया है।

नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों के साथ-साथ राजीनामा योग्य ट्रेफिक चालान प्रकरणों को भी रखा एव निराकरण किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन उर्जा विभाग द्वारा विद्युत अधिनियम से संबंधित न्यायालय में लंबित व प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में एवं मध्य प्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार जलकर एवं संपत्ति कर अधिभार में नेशनल लोक अदालत के संबंध मंल विशेष छूट के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही बैंक के प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में भी नियमानुसार छूट प्रदान की जायेगी।

गौतमपुरा में आयोजित मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर में नागरिकों से किया संवाद और समस्याएं का मौके पर किया निराकरण

अधिकारियों ने फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनवाड़ी और विद्यालय का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार शासन-प्रशासन को गांव की चौपाल तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026 के तहत आज शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र देपालपुर के गौतमपुरा में जन-विश्वास शिविर आयोजित किया गया। मंडपम रिसोर्ट परिसर में आयोजित शिविर में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और अनेक मामलों में मौके पर ही समाधान की कार्रवाई की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भारत सिंह पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, अनुविभागीय अधिकारी श्री चरणजीत सिंह हुड्डा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गौतमपुरा सुश्री मयूरी वर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती हर्षाली गगन बाहेती सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति ने अधिकारियों के साथ नगर परिषद द्वारा संचालित फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 20 केएलडी है। वर्तमान में यह सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। उक्त ट्रीटमेंट प्लांट से जो खाद बनती है, उसका उपयोग बगीचे में किया जाता है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने अमृत पार्क में विभिन्न प्रजातियों के 50 से अधिक छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण ?किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष एवं पार्षद व जिला स्तरीय दल एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा द्वारा पौधारोपण कर उद्यान का निरीक्षण किया।

गौतमपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मार्ग पर मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश देने वाली अनूठी पहल की गई। उन्होंने कहा कि गांव के विकास के साथ स्वच्छता और सामुदायिक सुविधाओं का बेहतर होना ग्रामीणों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमदान कर सफाई की।

जन-विश्वास शिविर केवल शिकायतों की सुनवाई तक सीमित नहीं रहा। अधिकारियों ने ग्राम का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और गांव में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। नागरिकों से सीधे संवाद कर यह भी समझा गया कि योजनाओं और लोक सेवाओं का लाभ उन्हें किस तरह मिल रहा है। शासकीय संस्थाओं और आधारभूत सुविधाओं का मैदानी निरीक्षण किया तथा शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति जानी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रजापति ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गौतमपुरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं टीकाकरण एवं अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती मरीजों से संवाद किया और हालचाल जाना। इस दौरान ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. विभा नागर और डॉ. सुनील असाटी से स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के लिए आने वाले मरीजों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने मण्डी प्रांगण में स्थित आदर्श मार्केटिंग सोसायटी का निरीक्षण किया और हितग्राहियों को प्रदान किए जाने वाले राशन के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रजापति ने शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गौतमपुरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को स्कूली बैग, साहित्य और खेलकूद सामग्री का वितरण किया। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु करियर के मंत्र दिये। साथ ही बच्चों के साथ सामूहिक चित्र खिचायें। निरीक्षण के दौरान श्री प्रजापति ने विद्यालय के प्रभारी एवं शिक्षकों से विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में चर्चा की। इस मौके पर परियोजना अधिकारी डॉ. अनीता जोशी सहित अन्य अधिकारियों ने आंगवाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जो नागरिकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी रहा। शिविर में 230 मरीजों की ओपीडी, 75 आयुष्मान कार्ड, 117 आभा आईडी एवं 04 दिव्यांग कार्ड बनाए गए। साथ ही आयुष चिकित्सा, मेडिकल बोर्ड सहित विभिन्न जनहितकारी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

अनंत चतुर्दशी झांकी मार्ग का महापौर ने किया निरीक्षण, ड्रेनेज कार्य के रेस्टोरेशन के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पारंपरिक अनंत चतुर्दशी झांकी चल समारोह की तैयारियों को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को जेल रोड सहित विभिन्न झांकी मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे ड्रेनेज कार्य का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्य समय-सीमा में पूरा करने और झांकी मार्ग को सुगम बनाने के निर्देश दिए।

महापौर भार्गव ने कहा कि जेल रोड अनंत चतुर्दशी झांकी चल समारोह का प्रमुख मार्ग है। क्षेत्र के व्यापारियों और रहवासियों की मांग को देखते हुए यहां बड़ी मेजर ड्रेनेज लाइन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र में लंबे समय से बनी गंदे पानी की समस्या के समाधान में भी मदद मिलेगी।

महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनंत चतुर्दशी के झांकी चल समारोह को देखते हुए फिलहाल जितना कार्य आवश्यक है, उसे प्राथमिकता से पूरा किया जाए और शेष हिस्से में तत्काल रेस्टोरेशन का काम कराया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति ऐसी रखी जाए, जिससे झांकियों के आवागमन में किसी तरह की बाधा या परेशानी न हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अनंत चतुर्दशी के बाद ड्रेनेज लाइन से जुड़े शेष आवश्यक कार्य को दोबारा शुरू किया जाएगा। इससे एक ओर महत्वपूर्ण ड्रेनेज परियोजना को पूरा किया जा सकेगा, वहीं दूसरी ओर झांकी चल समारोह के दौरान मार्ग की व्यवस्थाएं भी प्रभावित नहीं होंगी।

महापौर ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को झांकी मार्ग की साफ-सफाई, सड़क की स्थिति और यातायात की सुगमता सहित आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झांकी चल समारोह शहर का महत्वपूर्ण पारंपरिक आयोजन है, इसलिए इसकी तैयारियों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौड़, अश्विनी शुक्ला, नंदकिशोर पहाड़िया, अभिषेक शर्मा बबलू, मनीष शर्मा मामा, सुरेश टाकलकर, महापौर प्रतिनिधि भावेश दवे, जोनल अधिकारी राज ठाकुर सहित नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

विकास की रफ्तार: जावद विधानसभा के सिंगोली अंचल को बड़ी सौगात

विधायक सकलेचा के प्रयासों से झांतला क्षेत्र के 4 ग्रामीण मार्गों को मिली 5.67 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दूरस्थ अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जावद विधानसभा क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा के सतत और भगीरथ प्रयासों से सिंगोली भाजपा मंडल के अंतर्गत आने वाले चार प्रमुख ग्रामीण मार्गों (मजरा-टोलों) के कायाकल्प के लिए शासन ने ?5.67 करोड़ की भारी-भरकम प्रशासनिक स्वीकृति जारी की है।

मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना के तहत स्वीकृत इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र की दशकों पुरानी राह आसान होगी। इस ऐतिहासिक सौगात से क्षेत्र के भाजपाइयों सहित आम ग्रामीणों में भारी उत्साह और हर्ष की लहर है।

भाजपा नेताओं ने विधायक के पक्ष में रखी बात, विकास परक सोच को सराहा- अंतिम छोर के व्यक्ति की चिंता हमारी प्राथमिकता– राधेश्याम मेघवंशी इस महत्वपूर्ण सौगात पर हर्ष जताते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम मेघवंशी ने विधायक सकलेचा की कार्यशैली को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ÷विधायक ओमप्रकाश सकलेचा के कुशल नेतृत्व में सिंगोली अंचल का चहुंमुखी विकास हो रहा है। मजरा-टोलों को मुख्य मार्गों से जोड़ने की यह स्वीकृति इस बात का जीवंत प्रमाण है कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना ही हमारी सरकार और विधायक जी का मुख्य ध्येय है। यह अंत्योदय की परिकल्पना को साकार करने वाला कदम है।

घोषणा नहीं, धरातल पर काम करने वाले जनप्रतिनिधि हैं सकलेचा– पारस जैन- मंडल महामंत्री पारस कुमार जैन ने विधायक के प्रयासों को मील का पत्थर बताते हुए कहा, विधायक सकलेचा केवल कागजी घोषणाओं पर विश्वास नहीं करते, बल्कि धरातल पर काम करके दिखाते हैं। क्षेत्र की जनता लंबे समय से इन पथरीले और खराब रास्तों से त्रस्त थी।

विधायक जी ने जनभावनाओं को समझते हुए सीधे शासन स्तर से इसके लिए करोड़ों रुपये का बजट स्वीकृत कराया है, जो उनकी दूरदर्शिता और क्षेत्र के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

झांतला क्षेत्र के इतिहास में स्वर्णिम दिन– प्रेमचंद प्रजापत- झांतला बूथ अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापत ने स्थानीय ग्रामीणों की ओर से आभार जताते हुए कहा, ÷झांतला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झांतला चौराहा से डुंगरिया व्हाया किशनपुरा, झांतला बेगू सड़क से जूना पुराना, झांतला रोड से पाण्डुकुड़ी, ताल कोज्या सड़क से नयागांव आदि मजरों-टोलों के निवासियों के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की इस बहुप्रतीक्षित मांग को विधायक जी ने शीर्ष प्राथमिकता पर पूरा करवाया है। इस सौगात के लिए पूरा झांतला क्षेत्र उनका सदैव ऋणी रहेगा। स्वीकृत हुए चारों ग्रामीण मार्ग और उनकी लागत पर एक नजर।

कालूखेड़ा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री स्वर्गीय महेंद्र सिंह कालूखेड़ा की 9 वीं पुण्यतिथि पर पिपलिया मंडी के शिवाजी चौराहे पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्वर्गीय कालूखेड़ा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में युवा मोर्चा प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य संदीप सिंह राठौड़ ने कहा कि स्वर्गीय कालूखेड़ा ने अपने सार्वजनिक जीवन में क्षेत्र के विकास, जनसेवा और सामाजिक सरोकारों को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी। अशोकनगर, गुना, मुंगावली सहित मालवा क्षेत्र तथा रतलाम, नीमच और मंदसौर क्षेत्र में उनके मार्गदर्शन में हुए विकास कार्य आज भी उनकी दूरदर्शिता, कर्मठता और जनहित के प्रति समर्पण की याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय कालूखेड़ा ने शिक्षा, सड़क, सिंचाई, कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे विषयों को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र की प्रगति के लिए निरंतर प्रयास किए। उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और जनसेवा के संस्कार आज भी सभी के लिए प्रेरणादायी हैं। पुण्यतिथि पर उपस्थितजनों ने उन्हें शत-शत नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, उपाध्यक्ष भरत सिंह सोनगरा, मंडी व्यापारी अध्यक्ष कृष्णकुमार भूत, वरिष्ठ एल्डरमैन रूपचंद होतवानी, भाजपा नेता दिलीप गोयल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कैलाश काका, पार्षद कमल गुर्जर आदी।

अफजलपुर पुलिस ने नाकाम किए तस्कर के मंसूबे, 26 लाख की एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा के साथ दबोचा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना प्रभारी उप निरीक्षक विकास गेहलोत एवं उनकी टीम ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक आरोपी को रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी के पास से 260 ग्राम एमडी ड्रग्स और 5 किलो 150 ग्राम डोडाचूरा जप्त किया गया है। जप्त एमडी की कीमत करीब 26 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीणा के मार्गदर्शन, एएसपी गरोठ राम सनेही मिश्रा और एसडीओपी ग्रामीण जितेन्द्र भास्कर के निर्देशन में थाना प्रभारी उप निरीक्षक विकास गेहलोत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 11 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हल्की नीले रंग की टी-शर्ट और नीली लोवर पहने, ऊपर से गंजा एक व्यक्ति हाथ में विमल का झोला लेकर पलवई फंटे से कहीं बाहर जाने वाला है। सूचना पर थाना प्रभारी ने टीम गठित कर पलवई फंटे पर नाकाबंदी करवाई। कुछ देर बाद हुलिए का व्यक्ति पैदल आता दिखा। पुलिस को देखकर वह भागने लगा, जिसे हमराह फोर्स और पंचों की मदद से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम मुख्तयार अहमद खान पिता मुस्लिम अहमद खान (50) निवासी नीम चौक के पीछे सागर पेशा, जावरा शहर, जिला रतलाम बताया। तलाशी लेने पर उसकी लोवर की बायीं जेब में प्लास्टिक की थैली में 260 ग्राम एमडी ड्रग्स और हाथ में लिए विमल के झोले में 5 किलो 150 ग्राम डोडाचूरा मिला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/15, 22 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। उससे मादक पदार्थ के स्त्रोत के बारे में पूछताछ की जा रही है।

बूढ़ा में जनविश्वास शिविर: नए उद्योगों को शासन-प्रशासन का पूरा सहयोग मिलेगा-कलेक्टर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत गुरुवार को ग्राम बूढ़ा में शिविर आयोजित हुआ। शिविर में उद्यम संवाद और जनसमस्या निवारण दो सत्रों में कार्यक्रम हुए। कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने उद्यम संवाद में कहा कि जिले में नए उद्योग लगाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग किया जाएगा। संचालन में कोई समस्या आती है तो उसका निराकरण किया जाएगा। शासन द्वारा उद्योगों के लिए सब्सिडी दी जा रही है, उद्यमी इसका लाभ उठाएं। शिविर के दौरान हितग्राहियों को केसीसी और उद्यम पंजीयन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कलेक्टर ने बूढ़ा में स्थापित मुकेश एग्रो इंडस्ट्रीज इंडिया प्रा. लि. का निरीक्षण किया। यह इकाई कृषि उपकरणों का निर्माण कर रही है। उद्योग को एमएसएमई योजना के तहत 2.50 करोड़ का लोन और 92 लाख रुपये की सब्सिडी मिली है। इससे करीब 150 लोगों को रोजगार मिल रहा है। उद्यानिकी विभाग के तहत हरपाल सिंह (पशु आहार), रणजीत शर्मा (आटा मिल), सुखराम राठोर (ऑइल मिल) और एमएसएमई के तहत जगदीश लोहार की कृष्णा एग्रो, राजेश लोहार की मुकेश एग्रो और राजू लोहार की न्यू टकरावद वाला कंपनी का चयन किया गया।

50 लाख के महाघूसकांड में नारकोटिक्स इंस्पेक्टर गिरफ्तार, रिश्तेदार के खाते में कराई थी ऑनलाइन ट्रांसफर

उदयपुर सीबीआई की टीम ने दी दबिश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने एक बहुत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीबीआई की टीम ने केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (ष्ट्रक्चह्र) के इंस्पेक्टर सिद्धार्थ को 50 लाख रुपये के रिश्वत कांड में रंगे हाथों (डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर) गिरफ्तार कर लिया है। मादक पदार्थों की जब्ती और तस्करी से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले को दबाने के एवज में यह भारी-भरकम डील की गई थी।

इस अचानक हुई कार्रवाई से पूरे नारकोटिक्स विभाग में हड़कंप मच गया है।

रिश्तेदार के खाते में ली ऑनलाइन घूस- जांच में सामने आया है कि आरोपी इंस्पेक्टर ने सीबीआई की नजरों से बचने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया था। रिश्वत की यह मोटी रकम सीधे खुद के खाते में न मंगाकर अपने एक करीबी रिश्तेदार के बैंक खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करवाई गई थी। सीबीआई की एंटी करप्शन विंग लंबे समय से इस संदेहास्पद लेनदेन और अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। जैसे ही डिजिटल ट्रांजैक्शन के पुख्ता सबूत मिले, टीम ने एक्शन ले लिया।

6 अफसरों की टीम ने रात में घेरा सरकारी आवास- गुरुवार देर शाम उदयपुर सीबीआई की एक विशेष टीम, जिसमें एक महिला अधिकारी सहित 6 अफसर शामिल थे, अचानक नीमच की सीबीएन कॉलोनी पहुंची। टीम ने इंस्पेक्टर सिद्धार्थ के सरकारी आवास को चारों तरफ से घेर लिया और ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। देर रात तक चली इस मैराथन कार्रवाई में सीबीआई ने आरोपी अधिकारी के लैपटॉप, स्मार्टफोन और पिछले मामलों से जुड़े कई महत्वपूर्ण जब्ती रिकॉर्ड्स को अपने कब्जे में ले लिया है।कैंट थाने में पूछताछ, कोर्ट में पेशी की तैयारीगिरफ्तारी के बाद सीबीआई की टीम आरोपी इंस्पेक्टर को नीमच के कैंट थाने लेकर पहुंची, जहां बंद कमरे में उनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई इस बात की भी तस्दीक कर रही है कि 50 लाख रुपये के इस महाघूसकांड के तार विभाग के किन अन्य बड़े अधिकारियों या तस्करों से जुड़े हुए हैं। आरोपी को जल्द ही विशेष सीबीआई अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

एक ही प्रोजेक्ट, एक ही तहसील... फिर विकास के बजट में अंधेर नगरी क्यों

सिंगोली सौर ऊर्जा प्लांट– जमीन सबने खोई, पर कंपनी की मेहरबानी सिर्फ एक पर; थडोद–धारडी को थमाया ऊंट के मुंह में जीरा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले की सिंगोली तहसील के ग्राम बड़ी में स्थापित टाटा कंपनी एवं वारी एनर्जी का सौर ऊर्जा प्लांट इस समय क्षेत्र में कॉर्पोरेट भेदभाव और प्रशासनिक विसंगति का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया है। देश को रोशन करने के लिए अपनी कीमती जमीनें कुर्बान करने वाली तीन ग्राम पंचायतों के साथ सौर ऊर्जा कंपनी ने विकास राशि (श्वस्क्र- के वितरण में ऐसा दोहरा मापदंड अपनाया है, जिसने पूरे जिले में एक नई बहस छेड़ दी है। नियम और कायदों को ताक पर रखकर कंपनीयो ने एक पंचायत की झोली रुपयों से भर दी, तो बाकी दो पंचायतों को महज कौड़ियां देकर विदा कर दिया।

आंकड़ों का खेल– कहीं करोड़ों की बारिश, कहीं लाखों का झुनझुना

सौर ऊर्जा प्लांट के निर्माण के लिए सिंगोली क्षेत्र की तीन ग्राम पंचायतों– बड़ी, थडोद और धारडी की जमीनों का अधिग्रहण किया गया था। लेकिन जब इन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास और विकास (एरिया डेवलपमेंट) के लिए राशि खर्च करने की बारी आई, तो कंपनी का रवैया चौंकाने वाला रहा–ग्राम पंचायत बड़ी– मुख्य प्लांट यहीं होने के नाते कंपनी ने नियमानुसार दरियादिली दिखाई और करीब 1.5 करोड़ खर्च कर विकास कार्य करवाए।

ग्राम पंचायत थडोद इस पंचायत की जमीनें भी उतनी ही अधिग्रहित हुईं, लेकिन इसे विकास के नाम पर महज 6 लाख का टोकन देकर इतिश्री कर ली गई।

ग्राम पंचायत धारडी यहाँ के सरपंच ने जब अधिकारों की लड़ाई लड़ी और लंबी मशक्कत की, तब जाकर कंपनी ने महज 15 लाख फेंककर अपना पल्ला झाड़ लिया।

सुलगते सवाल– जब नुकसान सबका, तो मुआवजे में सौतेला व्यवहार क्यों क्षेत्र के ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जब तीन ही पंचायतें एक ही प्रोजेक्ट से प्रभावित हैं, तो विकास के बजट में इतना बड़ा फासला क्यों जमीन चले जाने के बाद ग्राम पंचायतों की आत्मनिर्भरता खत्म हो चुकी है। ऐसे में थडोद और धारडी के साथ हुआ यह सौतेला व्यवहार स्थानीय ग्रामीणों के विकास के अधिकारों पर सीधा कुठाराघात है। क्षेत्र में चर्चा है कि क्या कंपनी ने यह बंदरबांट अपनी मर्जी से की है या इसमें स्थानीय अधिकारियों की भी मूक सहमति थी- जिम्मेदार बोले यह विषय वास्तव में गंभीर है। अलग-अलग कंपनियों के (विकास और पुनर्वास को लेकर) अलग-अलग नियम होते हैं। मैं इस पूरे मामले पर सौर ऊर्जा कंपनी के उच्च स्तर के प्रबंधकों से चर्चा करूँगा, उसके बाद ही आपको पूरी और सही जानकारी दे पाऊंगा। कंपनी प्रबंधन से बात करने के बाद ही इस विषय पर बेहतर और स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकता है।

-ओम प्रकाश सकलेचा, पूर्व मंत्री व विधायक, जावद

यह पूरी तरह से कंपनी का एडमिनिस्ट्रेशन (प्रबंधन) का मामला है। इसके बारीक नियमों के बारे में संबंधित कंपनी का एडमिनिस्ट्रेशन ही बेहतर बता सकता है, उन्हें उनसे ही पूछना चाहिए। लेकिन, जिन ग्राम पंचायतों के सरपंचों को ईएसआर की राशि प्राप्त नहीं हुई है या उनके साथ भेदभाव हुआ है, वे तुरंत मेरे कार्यालय में एक लिखित आवेदन प्रस्तुत करें। प्रभावित पंचायतों से आवेदन प्राप्त होते ही हम इस विषय पर सौर ऊर्जा कंपनी के प्रबंधन से चर्चा करेंगे। उनके साथ टेबल पर बैठकर सीधी बात की जाएगी और पंचायतों को उनका वाजिब हक दिलवाया जाएगा।

-संजीव साहू, अनुभागीय अधिकारी, जावद

जलाशयों में 25 से 35 फीसदी पानी, मल्हारगढ़ तहसील को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ तहसील में अल्पवर्षा ने खरीफ के बाद रबी फसल की चिंता भी बढ़ा दी है। सितंबर का आधा माह बीतने के बावजूद क्षेत्र के प्रमुख जलाशयों में अपेक्षित जलभराव नहीं हुआ है। काकासाहेब गाडगिल सागर, सौम्या तालाब, रेतम बैराज, नारायणगढ़ तालाब सहित अन्य जलाशयों में पानी का स्तर करीब 25 से 35 प्रतिशत ही है। इससे सिंचाई के साथ आगामी दिनों में पेयजल व्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा, कांग्रेस नेता बाबूखा मेवाती, अजित कुमठ, अफसर मंसूरी और अनिल मुलासिया ने जलाशयों का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के एसडीओ वीरेंद्र चौहान से जलभराव और सिंचाई व्यवस्था की जानकारी ली। चौहान ने बताया कि जलाशयों में वर्तमान में करीब 30 से 35 प्रतिशत पानी है। गर्मी और मौसम के प्रभाव से इसमें लगभग 10 प्रतिशत और कमी आने की संभावना है।

विभाग के अनुसार काकासाहेब गाडगिल सागर से करीब 1900 हेक्टेयर, सौम्या तालाब से 588 हेक्टेयर और रेतम बैराज से करीब 1800 हेक्टेयर भूमि सिंचित होती है। रेतम बैराज से नारायणगढ़ की पेयजल योजना तथा गाडगिल सागर से मल्हारगढ़ और पिपलिया मंडी की पेयजल योजनाएं भी संचालित होती हैं। जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं आने से कृषि के साथ इन क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था पर भी असर पड़ने की आशंका है। कांग्रेस नेता बाबूखा मेवाती ने कहा कि अल्पवर्षा से खरीफ फसल पहले ही प्रभावित हो चुकी है। सोयाबीन और उड़द में पीलामोजेक, अफलन, इल्लियों के प्रकोप तथा अन्य रोगों के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा है। अब जलस्त्रोतों में कम पानी के चलते रबी की बुवाई और सिंचाई को लेकर भी स्थिति चिंताजनक है। किसान एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजित कुमठ ने कहा कि किसान लगातार आर्थिक दबाव में है। अल्पवर्षा ने उसकी परेशानी और बढ़ा दी है। सरकार को मौजूदा परिस्थितियों का आकलन कर किसानों को राहत देने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा ने कहा कि तहसील में सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। सरकार मल्हारगढ़ तहसील को सूखाग्रस्त घोषित कर राहत कार्य शुरू करे तथा किसानों से संबंधित सभी प्रकार की वसूली स्थगित की जाए। उन्होंने बताया कि मांग को लेकर मंगलवार को कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल अनुविभागीय अधिकारी से मुलाकात करेगा।

भारत में ड्रग्स फ्री की शुरुआत मंदसौर जिले से हो, मालवा क्षेत्र नशामुक्त विशेष अभियान चलाने के संबंध में गृहमंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इन दिनों मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र, विशेषकर मंदसौर, नीमच एवं रतलाम जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है।इससे क्षेत्र का युवा वर्ग बरबादी की कगार पर पहुंच रहा है साथ ही कई घर परिवार भी बर्बाद होने की कगार पर है।समय रहते ड्रग्स के सिंडिकेट को तोड़ने हेतु ड्रग्स तस्करों पर जल्द ही नकेल कसनी होगी। इस हेतु भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष एवं एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मिथुन वप्ता ने एक पत्र देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह को लिखा है जिसमें ड्रग्स फ्री अभियान की शुरुवात सर्वप्रथम मालवा क्षेत्र से करने हेतु निवेदन किया है।

मिथुन वप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा वर्ष 2029 तक देश को नशामुक्त भारत बनाने के संकल्प लिया हे तथा इसके लिए जुलाई 2026 से जुलाई 2029 तक तैयार किए गए तीन वर्षीय रोडमैप भी तैयार किया है। ड्रग्स के विरुद्ध आपकी जीरो टोलरेंस पॉलिसी ड्रग्स के पूरे नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने की रणनीति तथा विदेशों में छिपे ड्रग्स कारोबारियों एवं अन्य भगोड़ों को भारत वापस लाकर कानून के कठघरे में खड़ा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं। आपके नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा ड्रग्स के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई का प्रभाव देशभर में दिखाई भी दे रहा है।ड्रग्स की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है।मिथुन वप्ता ने पत्र में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र देश के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है। यहां अफीम की वैध खेती के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं काले बाजार की गतिविधियों की चुनौती भी लगातार सामने आती रही है। स्थानीय स्तर पर पुलिस एवं नारकोटिक्स एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है, लेकिन इस क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए यहां सतत, बहु-एजेंसी एवं विशेष निगरानी आधारित अभियान की आवश्यकता है।। इससे यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्र में केवल पारंपरिक नशीले पदार्थ ही नहीं, बल्कि सिंथेटिक ड्रग्स का खतरा भी बढ़ रहा है।इस गंभीर समस्या हेतु पत्र में आग्रह किया है कि मंदसौर-नीमच-रतलाम क्षेत्र को विशेष ड्रग्स फ्री मालवा जोन के रूप में चिन्हित करते हुए केंद्र सरकार के स्तर से विशेष अभियान चलाया जाए।और इसके लिए भारत में ड्रग्स फ्री अभियान की शुरुआत मंदसौर जिले से की जाए।मंदसौर, नीमच एवं रतलाम में एनसीबी, सीबीएन, मध्यप्रदेश पुलिस, खुफिया एजेंसियों एवं अन्य संबंधित विभागों का संयुक्त विशेष टास्क फोर्स/समन्वित अभियान बनाया जाए। साथ ही ड्रग्स की केवल छोटी खेप पकड़ने के बजाय उसके पूरे नेटवर्क–स्त्रोत, सप्लायर, परिवहनकर्ता, वितरक, आर्थिक सहयोगी एवं मुख्य सरगना–तक पहुंचकर कार्रवाई की जाए।साथ ही ड्रग्स कारोबार से अर्जित अवैध संपत्ति, बैंक खातों, बेनामी संपत्तियों एवं वित्तीय लेन-देन की छानबीन कर अवैध संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई की जाए।अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्टीय नेटवर्क से जुड़े मामलों में विशेष जांच कर विदेशों में छिपे ड्रग माफिया एवं भगोड़ों को भारत वापस लाने की कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए। इस पूरे अभियान की त्रैमासिक समीक्षा केंद्र एवं राज्य स्तर पर की जाए, ताकि केवल कार्रवाई के आंकड़े नहीं बल्कि क्षेत्र में ड्रग्स की उपलब्धता और तस्करी में वास्तविक कमी सुनिश्चित हो। मिथुन वप्ता ने पत्र में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश का मालवा क्षेत्र मेहनतकश, धार्मिक एवं सामाजिक रूप से जागरूक लोगों की भूमि है। यदि इस क्षेत्र को ड्रग्स के प्रभाव से मुक्त करने के लिए केंद्र सरकार के नेतृत्व में एक विशेष मॉडल तैयार किया जाता है, तो यह देश के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए भी एक प्रभावी उदाहरण और मॉडल बन सकता है। आपने वर्ष 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने का जो संकल्प लिया है, वह करोड़ों भारतीयों के लिए आशा और विश्वास का विषय है। मिथुन वप्ता ने पत्र में निवेदन किया है कि यह केवल एक क्षेत्र को नशामुक्त करने की पहल नहीं होगी, बल्कि मालवा से पूरे मध्यप्रदेश और मध्यप्रदेश से पूरे भारत को नशामुक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। पत्र की प्रतिलिपि गृह मंत्रालय, नारकोटिक्स विभाग, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश, पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश, एसपी मंदसौर को भी भेजी है।

व्यवसायिक गरबा आयोजनों को अनुमति नहीं दी जाए, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ दिनों बाद नवरात्री प्रारम्भ होने वाली है। नवरात्री में गरबों के दौरान कुछ स्थानों पर व्यवसायिक गरबे का आयोजन होता है, जिसमें फूहड़ता, अश्लील नाच गाना एवं अशोभनीय पहनावे का प्रदर्शन होता है। नवरात्री को व्यवसाय एवं मनोरंजन का माध्यम बना दिया गया है जो चिंतनीय विषय है। जबकि नवरात्री भक्ति एवं शक्ति की उपासना का पर्व है जिसे पूर्ण रूप से पारंपरिक ढंग से मनाया जानना चाहिए और पवित्रता का ध्यान रखा जाना चाहिए। इसी विषय को लेकर शुक्रवार को सकल हिन्दू समाज के जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि नवरात्री में व्यवसायिक गरबा आयोजनों को अनुमति नहीं दी जाए एवं जिन्हें दी जा चुकी है उनकी अनुमति निरस्त कि जाए। कलेक्टर के नाम सौपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से जो मांग रखी गई उसमें व्यवसायिक गरबा आयोजनों को अनुमति नहीं दी जाए। क्योंकि ऐसे आयोजनों में धार्मिक वातावरण विपरीत संगीत पर नृत्य देखने को मिलता है जिसका हमारी युवा पीढ़ी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने कि आशंका बनी रहती है।

इसी तरह अत्यधिक भीड़ एवं अपरिचित व्यक्तियों के कारण पहचान छुपाकर अथवा गलत परिचय के माध्यम से संपर्क स्थापित करने जैसी घटनाओं तथा समाज में व्यक्त कि जानी वाली ÷लव जिहाद÷ संबंधी चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर गरबा पांडाल में कोई अपनी पहचान छुपा कर या नशाखोरी करके प्रवेश करता है और प्रशासन उसे पर कठोर कार्रवाई नहीं करता है तो हिंदू समाज अपने स्तर पर ठोस कदम उठाएगी जिसका जिम्मेदार प्रशासन रहेगा।

गणेश ज़ी के पांडाल माताजी के पांडाल के आसपास किसी भी प्रकार से नशाखोरी, अंडे या मांस कि दुकानों का संचालन ना हो और अगर होता है तो प्रशासन कठोर कार्रवाई करे। गणेश उत्सव एवं नवरात्री के दौरान हमारी माताओं बहनों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए पुलिस टीमें तैयार की जाए। इस अवसर पर मंदसौर का सकल हिन्दू समाज उपस्थित रहा।

पशुपतिनाथजी मंदिर में दानपेटी खुली, दो दिन में 34.37 लाख की नकदी, सोना-चांदी और विदेशी मुद्रा निकली

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी भगवान श्री पशुपतिनाथजी मंदिर की दान पेटियों की गणना का कार्य दो दिन किया गया। पहले दिन 10 सितंबर 2026 को हुई गणना में 16 लाख 45 हजार 500 रुपये प्राप्त हुए थे। वहीं दूसरे दिन 11 सितंबर को हुई गणना में 17 लाख 92 हजार 300 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार दो दिन की कुल गणना में 34 लाख 37 हजार 800 रुपये की नकदी प्राप्त हुई है। इसके अलावा चांदी के छोटे-मोटे आइटम 100 ग्राम और सोने के आइटम 6 ग्राम प्राप्त हुए हैं। विदेशी मुद्रा में नाइजीरिया का 1000 का 1 नोट, नेपाल के 20 के 2 नोट, 5 के 3 नोट और 2 का 1 नोट भी दानपेटी से प्राप्त हुआ है।

सम्पादकीय

राजनीति ही एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप झूठ बोल सकते हैं, धोखा दे सकते हैं, फिर भी सम्मानित बने रह सकते हैं

राजनीति ही एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप झूठ बोल सकते हैं÷—यह कथन अक्सर लोगों के बीच सुनने को मिलता है। चुनावी रैलियों, टेलीविजन की बहसों और सोशल मीडिया पर नेताओं के वादों एवं बयानों को देखकर कई बार लोगों को ऐसा महसूस होता है कि राजनीति में झूठ बोलना एक सामान्य बात बन गई है। लेकिन क्या वास्तव में राजनीति केवल झूठ का दूसरा नाम है? या फिर कुछ नेताओं के आचरण के कारण ऐसी धारणा बनी है? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए राजनीति की प्रकृति, उसके उद्देश्य और उसके व्यवहारिक पक्ष को समझना आवश्यक है।

राजनीति का मूल उद्देश्य समाज और राष्ट्र का कल्याण करना है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है ताकि वे उनकी समस्याओं का समाधान करें, देश के विकास के लिए नीतियाँ बनाएँ और न्यायपूर्ण शासन प्रदान करें। लेकिन जब सत्ता प्राप्त करना ही सर्वोच्च लक्ष्य बन जाता है, तब नैतिकता पीछे छूटने लगती है। ऐसी स्थिति में झूठ, भ्रम, आधे-अधूरे सच और खोखले वादे राजनीति का हिस्सा बन जाते हैं।

चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। मुफ्त सुविधाएँ, रोजगार, किसानों की आय दोगुनी करने, भ्रष्टाचार समाप्त करने और महँगाई पर नियंत्रण जैसे अनेक आश्वासन दिए जाते हैं। चुनाव समाप्त होने के बाद इनमें से कई वादे पूरे नहीं हो पाते। परिणामस्वरूप जनता के मन में यह धारणा और मजबूत होती जाती है कि राजनीति में झूठ बोलना मानो स्वीकार्य हो गया है।

उदाहरण 1- यदि कोई नेता चुनाव से पहले हर युवा को नौकरी देने का वादा करे, जबकि उसे स्वयं पता हो कि वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में ऐसा कर पाना संभव नहीं है, तो ऐसा वादा जनता को भ्रमित करने वाला माना जा सकता है। ऐसे उदाहरण अनेक देशों और राज्यों की राजनीति में समय-समय पर देखने को मिलते हैं।

उदाहरण 2- कई बार राजनीतिक दल अपने विरोधियों के विरुद्ध पर्याप्त प्रमाण के बिना आरोप लगाते हैं, ताकि जनता की राय को प्रभावित किया जा सके। बाद में जाँच के दौरान यदि वे आरोप गलत सिद्ध होते हैं, तो इससे राजनीतिक व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास और कमजोर होता है।

हालाँकि, यह कहना भी उचित नहीं होगा कि राजनीति केवल झूठ का ही पेशा है। इतिहास ऐसे अनेक नेताओं से भरा पड़ा है जिन्होंने सत्य, ईमानदारी और नैतिकता को अपनी राजनीति का आधार बनाया।

उदाहरण 3- महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अपनी राजनीति का आधार बनाया। उन्होंने सत्ता प्राप्त करने के लिए झूठ और छल का सहारा लेने के बजाय नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता दी। उनका मानना था कि राजनीति को नैतिकता से अलग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण 4- लाल बहादुर शास्त्री अपनी ईमानदारी, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रसिद्ध थे। जय जवान, जय किसान÷ केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि देश के सैनिक और किसान के प्रति सम्मान तथा जिम्मेदारी की भावना का प्रतीक था।

आज सोशल मीडिया के दौर में झूठ और भ्रामक जानकारी पहले से कहीं अधिक तेजी से फैलती है। कई बार अधूरी, गलत या भ्रामक जानकारी राजनीतिक लाभ के लिए साझा की जाती है। इसलिए नागरिकों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है कि वे किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता और विश्वसनीयता की जाँच करें।

राजनीति में झूठ का सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास का टूटना है। जब नागरिकों को बार-बार ऐसा महसूस होता है कि उनके साथ वादों के नाम पर छल किया जा रहा है, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास कमजोर हो सकता है। लोगों में व्यवस्था के प्रति निराशा, असंतोष और राजनीतिक उदासीनता बढ़ सकती है।

इसके विपरीत, यदि राजनीति सत्य, पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित हो, तो लोकतंत्र मजबूत होता है। जनता और सरकार के बीच विश्वास बढ़ता है, विकास कार्य अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकते हैं और समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है।

इसलिए यह कहना कि राजनीति ही एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप झूठ बोल सकते हैं पूरी तरह सही नहीं है। झूठ किसी भी क्षेत्र- व्यवसाय, विज्ञापन, खेल, शिक्षा या व्यक्तिगत जीवन- में हो सकता है। अंतर केवल इतना है कि राजनीति में बोले गए झूठ का प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन, नीतियों और देश की दिशा पर पड़ सकता है। यही कारण है कि राजनीतिक झूठ अधिक गंभीर और अधिक चर्चा का विषय बन जाता है।

राजनीति स्वयं बुरी नहीं है; उसे अच्छा या बुरा बनाने वाले लोग और उनका आचरण होते हैं। यदि राजनीतिक नेतृत्व ईमानदार, जवाबदेह और जनहित के प्रति समर्पित हो, तो राजनीति समाज परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन सकती है।

इसलिए आवश्यकता राजनीति को झूठ का पर्याय मानने की नहीं, बल्कि ऐसी राजनीति को बढ़ावा देने की है जो सत्य, नैतिकता, पारदर्शिता और जनसेवा के सिद्धांतों पर आधारित हो।

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति तभी बनी रहेगी जब नेता अपने वचनों का सम्मान करेंगे और नागरिक भी जागरूक होकर सही प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे।

नेताओं की मेज पर दुनिया, जनता की मेज पर सवाल

दिल्ली इन दिनों राजधानी नहीं, दुनिया की कूटनीति का बड़ा पड़ाव है। सड़कों पर झंडे, होटलों में विदेशी मेहमान और भारत मंडपम में ब्रिक्स का मंच तैयार है। पुतिन पहुंच चुके हैं, शी जिनपिंग आने वाले हैं और मोदी मेजबान हैं। कैमरे मुलाकात दर्ज करेंगे, दुनिया नतीजे देखेगी। उम्मीद है, पुतिन-शी-मोदी की बैठक ब्रिक्स को नई दिशा देगी। लेकिन दिशा की परीक्षा मंजिल पर होती है। सवाल यह नहीं कि कितनी देर बैठक होगी या कितनी तस्वीरें आएंगी; सवाल है कि बंद कमरे का फैसला उस आदमी तक कब पहुंचेगा, जो तेल का भाव सुनकर जेब टटोलता है। क्या महंगाई को राहत मिलेगी, ऊर्जा संकट का रास्ता निकलेगा या फिर एक चमकदार बयान ही आएगा?

इस त्रिकोण की अहमियत है कि तीनों देशों के हित अलग हैं। रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है, चीन सीमाओं और व्यापारिक विस्तार में व्यस्त है, जबकि भारत दोनों से रिश्ते निभाते हुए स्वतंत्र राह तलाश रहा है। गलवान की कड़वी स्मृति के बाद करीब सात साल में शी जिनपिंग का दिल्ली आना सामान्य यात्रा नहीं है। यह भरोसे की वापसी है, मजबूरी या रणनीतिक जरूरत—समय बताएगा। उधर ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया को अस्थिर कर दिया है और कच्चा तेल सौ डॉलर प्रति बैरल के पार है। दुनिया महंगाई की चक्की में पिस रही है। ऐसे में ब्रिक्स की मेज पर 'सहयोग', 'बहुपक्षवाद' और 'ग्लोबल साउथ' जैसे शब्द ही गूंजते रहे, तो पेट्रोल सस्ता नहीं होगा। जनता को नारे नहीं, नतीजे चाहिए।

ब्रिक्स अब पांच देशों का पुराना क्लब नहीं रहा। ग्यारह सदस्य और पार्टनर देश जुड़ चुके हैं। दायरा बढ़ा है तो चुनौतियां भी बढ़ी हैं। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन बड़े सवाल हैं, क्योंकि युद्ध की मार सीमा से निकलकर खेत, कारखाने, रसोई और बाजार तक पहुंचती है। इतने देशों में सहमति आसान नहीं। ईरान और यूएई के मतभेद इसका उदाहरण हैं। साझा बयान बन सकता है, साझा रास्ता कठिन है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी गुट नहीं, पूरक शक्ति बने। अमेरिका से रिश्ते भी रखने हैं और रूस-चीन से संवाद भी। भारत की कूटनीति इसी रस्सी पर है—दुनिया तालियां भी बजा रही है और हर कदम का हिसाब भी रख रही है।

इस सम्मेलन की कीमत दिल्ली का आम नागरिक चुका रहा है। सड़कें बंद हैं, ट्रैफिक थमा है, मेट्रो में भीड़ है और करीब पंद्रह हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन मेहमानों के स्वागत में मेजबान की राह बंद हो तो सवाल उठता है। महंगाई और बारिश के बीच आम परिवार पहले ही परेशान हैं। पोषण माह में बच्चों के स्वास्थ्य की बात हो रही है, पर महंगाई में पौष्टिक भोजन जुटाना भी मुश्किल है। ब्रिक्स की सफलता तभी होगी, जब इसकी गूंज टीवी से निकलकर गांव की चौपाल, किसान के खेत, मजदूर की थाली और मध्यमवर्ग की रसोई तक पहुंचे। वरना मंच चमकेगा, जनता की जिंदगी नहीं। पुतिन के साथ रक्षा सहयोग भारत-रूस रिश्तों की ताकत है। ब्रह्मोस, सुखोई और एस-400 सिर्फ हथियार नहीं, सामरिक रिश्तों की पहचान हैं। भारत आत्मनिर्भर बनना चाहता है, लेकिन इसका मतलब सिर्फ देश में उत्पादन नहीं, संकट में किसी एक देश पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न रहना भी है। रूस से सहयोग बढ़ाते हुए देखना होगा कि निर्भरता घट रही है या रूप बदल रही है। शी जिनपिंग से बातचीत और संवेदनशील है। सीमा विवाद और व्यापार घाटे पर मुस्कान नहीं, स्पष्टता चाहिए। गलवान के बाद हाथ मिलाना अच्छी तस्वीर है, लेकिन रिश्ते तभी सुधरेंगे जब सीमा पर भरोसा और व्यापार में संतुलन दिखे।

मौसम ने भी याद दिला दिया है कि दुनिया की समस्याएं सिर्फ राजधानियों में नहीं सुलझतीं। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट है और चक्रवातों का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन ब्रिक्स के एजेंडे में सिर्फ औपचारिकता नहीं, ठोस कार्रवाई बनना चाहिए। प्रकृति भाषण नहीं सुनती। बाढ़ आती है तो गरीब का घर उजड़ता है, किसान की फसल डूबती है और राहत की सबसे ज्यादा जरूरत उसी को होती है। खाद्य सुरक्षा की बात हो तो किसान तक मदद पहुंचे, ऊर्जा सुरक्षा की चर्चा हो तो तेल संकट में विकासशील देशों को राहत मिले और आपदा प्रबंधन की सहमति चेतावनी को समय पर राहत में बदले। वरना फाइलें मोटी होती रहेंगी, संकट नहीं घटेगा।

यहीं भारत की असली परीक्षा है। रूस से मित्रता, चीन की चुनौती और अमेरिका से रणनीतिक रिश्ते—तीनों साधने हैं। साथ ही ब्रिक्स को किसी एक खेमे का औजार बनने से रोकना है। भारत रूस-चीन के बीच संवाद का पुल बने, ऊर्जा और खाद्य संकट पर व्यावहारिक सहयोग जुटाए और अपने हित स्पष्ट रखते हुए सभी से रिश्ते साधे, तभी ब्रिक्स की नई दिशा उसकी कूटनीतिक उपलब्धि होगी। लेकिन पुल की विडंबना है—सब उस पर से गुजरते हैं, वह दो किनारों के बीच खड़ा रहता है। भारत को सिर्फ पुल नहीं, अपनी जमीन भी मजबूत करनी है। यही बैठक की सबसे कठिन कसौटी है।

फैसला मंच की चमक नहीं, उसका असर करेगा। पुतिन आए, शी आए, मोदी ने स्वागत किया, कैमरे चमके—इतना इतिहास नहीं बनाता। इतिहास वे फैसले याद रखता है, जो जिंदगी बदलते हैं। ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनना है तो व्यापार आसान, ऊर्जा संकट का हल, खाद्य सुरक्षा को किसान-उपभोक्ता से जोड़ना, सप्लाई चेन मजबूत करना और भारत-चीन सीमा विवाद व व्यापार घाटे पर ठोस कदम जरूरी हैं। दिल्ली सज चुकी है, दुनिया की नजर मंच पर है। अब देखना है—मंच से उतरते समय हाथ में बयान होंगे या बदलाव? अगर हालात वही रहे और शब्द बदल गए, तो यह भी उन सम्मेलनों में जुड़ जाएगा, जहां नारे बहुत लगे, मगर पेट की आग नहीं बुझी। उम्मीद है, इस बार इतिहास तस्वीर नहीं, परिणाम याद रखे।

-प्रो. आरके जैन

जननी जन्मभूमि एवं स्त्रियों का सम्मान उन्नत राष्ट्र की विशिष्ट पहचान

भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को माता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्या अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सदुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं। अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है।

-संजीव गर्ग

पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है।

आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात् अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है।

संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है।

भगवान महावीर का संदेश-÷मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ÷-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं।

आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है।

पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

-ललित गर्ग

साधना में निर्विचारिता उन्नति की पहली सीढ़ी है - श्री माताजी

सहजयोग में निर्विचार समाधि को आत्मसाक्षात्कार के बाद प्राप्त होने वाली एक अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अवस्था माना जाता है। यह वह स्थिति है जिसमें साधक विचारों के निरंतर प्रवाह से ऊपर उठकर शुद्ध चेतना और वर्तमान क्षण की जागरूकता में स्थापित हो जाता है। इस अवस्था में मन शांत हो जाता है, किन्तु व्यक्ति पूर्णतः सजग और सचेत रहता है।

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने निर्विचार समाधि के विषय में कहा है कि, विचारों के लुप्त होने का अर्थ है, आप स्वयं में ही विलीन हो गए। यही वास्तविकता है, परन्तु आप जागरूक भी हैं। अर्थात् निर्विचारता कोई अचेतन अवस्था नहीं है, बल्कि यह जागृत चेतना की सर्वोच्च अवस्था है जहाँ साधक वास्तविकता का प्रत्यक्ष अनुभव करता है। श्री माताजी ने यह भी कहा है कि, साधक में निर्विचार स्थिति प्राप्त होना उन्नति की पहली सीढ़ी है।

सहजयोग के अनुसार जब कुण्डलिनी शक्ति आज्ञा चक्र को पार कर सूक्ष्म क्षेत्र में प्रवेश करती है, तब निर्विचारता स्थापित होने लगती है। यह अवस्था साधक के भीतर शांति, संतुलन और आध्यात्मिक शक्ति का विकास करती है। श्री माताजी के शब्दों में- निर्विचार समाधि आपको शान्ति प्रदान करती है और आपकी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती जाती है।

निर्विचारता में रहने से व्यक्ति के भीतर एक गहरा आंतरिक परिवर्तन आता है। समस्याओं के समाधान सहज रूप से प्राप्त होने लगते हैं, मानसिक तनाव कम हो जाता है और दिव्य शक्ति का मार्गदर्शन जीवन में स्पष्ट रूप से अनुभव होने लगता है। इस प्रकार निर्विचार समाधि सहजयोग की साधना का मूल आधार और आत्मिक उत्कर्ष का द्वार है।

सहजयोग केवल ध्यान की एक पद्धति नहीं है, बल्कि यह जीवन को संतुलित, शांत और आनंदमय बनाने का एक समग्र मार्ग है। नियमित सहजयोग ध्यान से व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, करुणा और संतोष का विकास होता है जिससे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार होता है। परम पूज्य श्री माताजी ने सिखाया कि सहजयोग का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत कल्याण नहीं, बल्कि मानवता के सामूहिक उत्थान और विश्व शांति की स्थापना भी है। नियमित ध्यान के माध्यम से साधक अपने भीतर की दिव्य शक्ति से जुड़कर अधिक संतुलित, आनंदित और सार्थक जीवन जीने लगता है।

पर्चा लीक रोकने के लिए तकनीक नहीं, मजबूत संस्थागत ढांचा और जवाबदेही ज्यादा जरूरी

देश में पिछले दिनों कुछ परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने पर काफी हंगामा हुआ था। इस हंगामे के बीच पूरा परीक्षा तंत्र बेहतर बनाने के कई सुझाव भी आए हैं। जिन समाधानों पर खास तौर पर ध्यान गया है उनमें ब्लॉकचेन टेक्नॉलजी लागू करने से लेकर गड़बड़ी के लिए सजा के प्रावधान अधिक सख्त करना आदि बातें शामिल हैं। इस चर्चा के लिए सरकार की क्षमता और संस्थागत ढांचे के बारे में गहरी समझ की जरूरत है न कि जल्दबाजी में पेश किए गए या कामचलाऊ समाधानों की।

हमें इस चर्चा की शुरुआत बड़े सवालों के साथ करनी चाहिए। परीक्षा प्रक्रिया में जो दिक्कतें दिख रही है उनकी वजह उच्च शिक्षा नीति में कुछ बुनियादी सवालों पर ध्यान न देना है। केंद्रीकृत नामांकन के लिए केंद्रीकृत मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। आधुनिक अर्थव्यवस्था और समाज में स्वायत्त विश्वविद्यालय अपने छात्रों का चयन स्वयं करते हैं। एक ही राष्ट्रीय परी?क्षा एक जैसी व्यवस्था के आधार पर काम करती है जिससे संस्थानों की विविधता का ख्याल नहीं रह जाता है।

इसके अलावा, उच्च शिक्षा की उपलब्धता नियामकीय रुकावटों की वजह से सीमित है जिससे नए लोगों के लिए विश्वविद्यालय शुरू करना मुश्किल हो जाता है। यह बनावटी कमी प्रवेश प्रकिया का महत्त्व बढ़ा देती है जिससे गड़बड़ी होने की आशंका भी बढ़ जाती है। अगर उपलब्धता उचित स्तर तक होती तो एक ही मुख्य परीक्षा पर दबाव कम हो जाता।

अगर बहुत सारे आवेदकों में कुछ दावेदारों का चयन मकसद है तो लोक नीति में लॉटरी का इस्तेमाल एक आकर्षक तरीका है। अगर एक मानकीकृत परीक्षा जरूरी मानी जाती है तो सरकारी एजेंसी बनाना ही एकमात्र प्रशासनिक विकल्प नहीं है। शैक्षणिक परीक्षण सेवा (ईटीएस) दुनिया भर में जीआरई और सैट जैसी परीक्षाएं भरोसे के साथ आयोजित करती है।

सरकार परीक्षा तंत्र शुरू से तैयार करने की कोशिश करने के बजाय स्थापित व्यावसायिक वेंडरों से परीक्षण संबंधित सेवाएं ले सकती हैं। इन बुनियादी सवालों का समाधान जरूरी है। परीक्षण में बाद में होने वाली गड़बड़ियां असल में शुरुआती नीतिगत फैसलों का नतीजा होती हैं। फिलहाल हम इन बड़े सवालों पर बात नहीं करेंगे।

अगर यह मान लिया जाए कि नीतिगत फैसला सरकार द्वारा आयोजित देशव्यापी परीक्षा का है तो इसके आयोजन में सरकार की क्षमता एक समस्या बन कर सामने आती है। बड़े पैमाने पर सुरक्षित लॉजिस्टिक परीक्षण परिचालन के लिए बेहतरीन प्रबंधन क्षमता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में इस क्षमता की कमी है। लोक प्रशासन सिद्धांत इस कमी को समझने के लिए एक आधार देती है।

संस्थागत ढांचा के नजरिये से एनटीए का विश्लेषण करने पर इसमें संरचनात्मक कमियां दिखाई देती हैं। एनटीएकी स्थापना वर्ष 2018 में हुई थी। इसे किसी कानून के तहत नहीं बल्कि सोसायटी पंजीयन अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसायटी के तौर पर तैयार किया गया था। इसका कामकाज एक संचालन इकाई देखती है जिसके अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष होते हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का एक अधिकारी महानिदेशक और सदस्य सचिव के तौर पर काम करता है, साथ ही पदेन अंशकालिक निदेशक भी होते हैं।

इस ढांचे में कामकाज की गहराई की कमी है। एजेंसी ने अब तक 270 से अधिक प्रतियोगिता परीक्षाएं आयोजित की हैं और 6.6 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों का पंजीयन किया है। यह एजेंसी महज 39 स्थायी पदों की स्वीकृत संख्या के साथ इतने बड़े लॉजिस्टिक कार्य को संभालने की कोशिश करती है। ये सभी पद प्रतिनियुक्ति के जरिये भरे जाते हैं।

अभी इनमें से 24 स्थायी पदों पर ही लोग काम कर रहे हैं। कामकाज का बोझ संभालने के लिए एनटीए अस्थायी कर्मचारियों पर निर्भर है। इसमें 73 अनुबंध वाले कर्मचारी (जिनमें सलाहकार भी शामिल हैं) हैं और 124 बाहरी लोगों (जो आंकड़ों का विश्लेषण और प्रशासनिक सहायता का काम करते हैं) को काम पर रखा है।

इस तरह एजेंसी 197 अस्थायी कर्मचारियों के साथ चलती है जिन्हें प्रतिनियुक्ति पर आए 24 सरकारी अधिकारियों की मुख्य टीम संभालती है। अस्थायी और बाहर के लोगों पर बहुत अधिक निर्भरता इसके ढांचे की एक कमी है।

संगठन के कानूनी स्वरूप का असर इसके कामकाज और नियंत्रण पर पड़ता है। एक सोसाइटी बिना उस कानूनी ढांचे के काम करती है जो आम नियामकीय संस्थाओं की पहचान होती है। कानूनी निकायों के स्थापना संबंधी कानूनों में ही आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और बाहरी जवाबदेही के नियम शामिल होते हैं। एनटीए में इस तरह के ढांचे का अभाव है।

चूंकि, यह कोई कानूनी संस्था नहीं है इसलिए यह संसद की नियमित जांच-पड़ताल की जद में नहीं आती है। ऐसा कोई कानूनी नियम नहीं है जिसके तहत एनटीए की सालाना प्रशासनिक और वित्तीय रिपोर्ट संसद में पेश की जाएं और उन पर बहस हो। इसके खातों की जांच अनिवार्य रूप से भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा उस तरह से नहीं की जाती जैसे किसी सरकारी विभाग या कानूनी संस्था के खातों की होती है।

इस तरह की जवाबदेह प्रणाली की कमी से ढांचागत कमियां जैसे कर्मचारियों की कमी और कामकाज से जुड़ी कमजोरियां औपचारिक संसदीय जांच से छिपी रहती हैं। जब तक कोई बड़ा कांड न हो जाए तब तक किसी का ध्यान नहीं जाता है।

विकसित अर्थव्यवस्थाएं सार्वजनिक एजेंसियों के गठन के लिए व्यवस्थित नियमों का पालन करती हैं। ब्रिटेन गैर-विभागीय सार्वजनिक निकायों (एनडीपीबी) की संरचना का इस्तेमाल करता है। यह शब्द वर्ष 1980 में सर लियो प्लियात्जकी की एक रिपोर्ट के बाद गढ़ा गया था।

एनडीपीबी राष्ट्रीय शासन प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है मगर मंत्रियों से स्वतंत्र होकर कार्य करता है। ब्रिटेन में मंत्रिमंडल किसी नए एनडीपीबी की स्थापना की अनुमति तभी देता है जब यह किसी विशिष्ट कार्य को निष्पादित करने का सबसे लागत प्रभावी साधन माना जाता है। एनडीपीबी और उसके प्रायोजक विभाग के बीच संबंध इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि यह प्रतिनिधिमंडल का समर्थन करे और साथ ही उत्तरदायी मंत्री को वित्तीय औचित्य और जोखिम प्रबंधन का आश्वासन दे। निकायों की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि उनके कार्य अभी भी जरूरी हैं।

समय के साथ ब्रिटेन में सार्वजनिक निकायों का एक वर्गीकरण उभरा है जो उन्हें कार्यकारी एनडीपीबी, सलाहकार एनडीपीबी, पंचाट एनडीपीबी, सार्वजनिक निगम आदि के रूप में वर्गीकृत करता है। यह वर्गीकरण जवाबदेही, वित्त पोषण और रिपोर्टिंग व्यवस्था निर्धारित करता है। कार्यकारी एनडीपीबी में नियुक्तियां सख्त नियमों द्वारा नियंत्रित होती हैं।

उन्हें समर्पित कर्मचारी नियुक्त करने और अपने आवंटित बजट का प्रबंधन करने का अधिकार है। इससे किसी काम को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए ज़रूरी स्थायी संस्थागत स्मृति और क्षमता बनती है।। ब्रिटेन की कानूनी और संवैधानिक व्यवस्था में ऊपर वर्णित नियंत्रण और संतुलन के लिए वैधानिक स्थिति की आवश्यकता नहीं है।

-धनंजय राजौरा

कल्पसूत्र का हर शब्द मंत्र है, तंत्र है, यंत्र है

राग–द्वेष एवं रोग–दोष को हटाने की विराट शक्ति है इस ग्रंथ में – भाग्यवंत भाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदु धर्म में जो महत्व गीता एवं रामायण का है, इस्लाम धर्म में जो महत्ता कुरान की है, ईसाई जगत में जो इज्जत बाईबल एवं सिक्ख समुदाय में जो गौरव गुरू ग्रंथ साहिब का है। वहीं महत्व, मान सम्मान एवं गौरव जैन धर्म में महानग्रंथ कल्पसूत्र का है। वर्तमान कलयुग एवं विषमकाल में परमात्मा द्वारा बताया गया ज्ञान ही जीवन की शुद्धि, विशुद्धि एवं परमशुद्धि का आधार बन सकता है। कल्पसूत्र में इस संसार का समग्र ज्ञान, विज्ञान एवं निदान समाहित है। कल्प याने आचार है। साधु संतो एवं संसारी प्राणी के आचरण का संपूर्ण मार्गदर्शन इस ग्रंथ में समाहित है। इसी आचार के अनुरूप हमारे विचार बनते है। विचार एवं आचार दोनो परस्पर सापेक्ष गुण है। कल्पसूत्र ऐसी आलौकिक औषधि एवं रामबाण रसायन है जिसमें जीवन के राग-द्वेष एवं तन के रोग-दोष को नेस्त नाबूत करने की असीम शक्ति समाहित है।

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर पर कल्प सूत्र ग्रंथ की विस्तृत विवेचना करते हुए वीर सैनिक भाग्यवंत भाई , मेहुल भाई, धर्मेश भाई, भव्य भाई ने कहा कि कल्पसूत्र ग्रंथ की रचना आचार्य श्री भद्रबाहु स्वामी ने की एवं इसकी विषद व्याख्या श्री विनय विजयजी ने की। जिसने भी पूर्ण श्रद्धा, तन्मयता एवं एकाग्रता से जीवन में 21 बार इस ग्रंथ का श्रवण कर लिया उसका सातवे भव में मोक्ष निश्चित हो जाता है। महा ग्रंथ का हर एक शब्द मंत्र है, तंत्र है, यंत्र है। श्री कल्पसूत्र की कई अनोखी बातो की तरफ ले जाते हुए आप ने कहा महाग्रंथ में उल्लेख है- सहधर्मी, रूपवान, निरोगी, अच्छे स्वप्नो का दर्शन, नीति में रूचि तथा कविता रचने का जिसको शौक है, वह स्वर्ग से आया है, स्वर्ग में जाएगा। दंभ से दूर, दया-दान, दमन में खुशी, दक्ष व सरल मनुष्य में से आया है फिर मनुष्य बनेगा। कपट, लोभ, आलसी तथा ज्यादा खाने वाला पशु में से आया है, पशु में जाएगा। अति कामी, द्वेषी, दुर्वचनी नरक से आया है, पुन नरक में जाएगा। कल्पसूत्र सभी शास्त्रो में सिरमोर है। साधु के दस आचारो का वर्णन, भगवान महावीर स्वामी के पूर्व भवो का संपूर्ण विवरण इसमें समाहित है।

प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि दोपहर में नवपद पूजन हुआ जिसका लाभ मांगीलाल छगनीराम जैन परिवार ने लिया। कल्पसूत्र स्थापित करने का लाभ राजेंद्र कुमार भेरूलाल जैन उन्हेल वाला परिवार ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विकास जैन, सानिध्य जैन, राहिल जैन, यश जैन, अंकित जैन, सिद्धार्थ कटारिया, जय जैन, अंशुल जैन, आयुष चौधरी, प्रतीक चौधरी, सिद्धार्थ जैन, ऋषभ जैन, आदि उपस्थित थे।

आगामी कार्यक्रम- आगामी कार्यक्रम के अंतर्गत 12 सितम्बर शनिवार को भगवान महावीर का जन्म वाचन समारोह मनाया जाएगा। दोपहर 1.30 बजे से प्रारंभ होने वाले इस समारोह में चौदह स्वप्न एवं महावीर पलना जी को झुलाने का विशिष्ट आयोजन होगा। समाजजनों को केशरिया छापे लगाए जाएंगे तथा रात्रि जागरण का कार्यक्रम होगा।

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी में मनाया गया न्यूट्रिशनल डे

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी में न्यूट्रिशनल डे के अवसर पर पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. शैला, डॉ. गीता एवं डॉ. शहाना द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा 10 से अधिक फ्लेमलेस फूड स्टॉल लगाए गए, जिनमें विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित आहार का महत्व प्रदर्शित किया। सभी स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आयोजन को सफल बनाया।

इस अवसर पर अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी के प्राचार्य एवं मेडिकल सुपरिंटेंडेंट प्रो. डॉ. योगेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मन के लिए संतुलित पोषण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से पोषण संबंधी सही जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा समाज में भी इसके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना संस्थान की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में जागरूकता के साथ-साथ रचनात्मकता और टीम भावना को भी बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में संतुलित आहार, पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सुश्री बाफना ने विभिन्न ग्रामों में शासकीय संस्थाओं एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान 2026 के तहत कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, निर्माणाधीन भवनों एवं शासन की योजनाओं के तहत संचालित विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सादनखेड़ी, घट्टीमुख्त्यारपुर, भैसायागढ़ा का निरीक्षण किया।

कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सादनखेड़ी का निरीक्षण कर एफएलएन गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से किताबें पढ़वाकर सीखने के स्तर का आंकलन किया। बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक ÷मीठी बोली सुनना हो तो आना मेरे गांव÷ सहित अन्य कविता पढ़ी गई। इस दौरान कलेक्टर एवं उपस्थित अधिकारियों ने बच्चों का ताली बजाकर उत्साहवर्धन किया।

इस दौरान कलेक्टर सुश्री बाफना ने बच्चों की उपस्थिति अच्छी होने, विद्यालय परिसर की साफ सफाई एवं विद्यालय की वाल पर सुंदर वाल पेंटिंग होने पर प्रशंसा व्यक्त की।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्राम घट्टीमुख्त्यारपुर एवं भैसायागढ़ा में निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन में सीपेज ठीक करने, पानी निकासी बनाने, बाउंड्रीवाल बनाने, निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड अनुसार एवं गुणवत्ता करने तथा भ्रमण के दौरान उपयंत्री के अनुपस्थित रहने पर उपयंत्री का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश सीएमएचओ को दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्राम भैसायागढ़ा में निर्माणाधीन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण कर निर्माण कार्य निर्धारित मापदंड अनुसार एवं गुणवत्ता करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

इस अवसर पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर श्रीमती अंकिता पाटकर, जनपद पंचायत सीईओ श्री डीआरएस राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

राशन वितरण में गड़बड़ी पर दो उचित मूल्य दुकानों के संचालकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतु राज सिंह के निर्देश पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत वितरित किये जा रहे खाद्यान्न के वितरण की मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी के तहत खाद्य विभाग द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है तथा उचित मूल्य की दुकान पर अनाज की गड़बड़ी पाए जाने पर एफआईआर दर्ज की जा रही है।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खातेगांव ने अनुभाग खातेगांव अंतर्गत गंगा स्वयं सहायता समूह बागदा द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान बागदा की जांच की। जांच के दौरान दुकान की पीओएस मशीन अनुसार अपेक्षित स्टॉक से गेहूं 73.34 क्विंटल एवं चावल 18.22 क्विंटल कम पाया गया। कम पाये गये खाद्यान्न की अनुमानित कीमत लगभग 2,92,900 रूपये है। दुकान में कम पाये गये खाद्यान्न की कालाबाजारी समूह की अध्यक्ष/विक्रेता श्रीमती आरती वर्मा एवं सहायक विक्रेता जितेन्द्र वर्मा द्वारा किये जाना पाये जाने पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 के प्रावधान अनुसार आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खातेगांव द्वारा थाना खातेगांव में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

इसी प्रकार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खातेगांव ने अनुभाग खातेगांव अंतर्गत चिंतामणी स्वयं सहायता समूह मालसगोदा द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान मालसगोदा की जांच की। जांच के दौरान दुकान की पीओएस मशीन अनुसार अपेक्षित स्टॉक से गेहूं 73.26 क्विंटल एवं चावल 17.29 क्विंटल कम पाया गया। कम पाये गये खाद्यान्न की अनुमानित कीमत लगभग 2,88,940/-रूपये है। दुकान में कम पाये गये खाद्यान्न की कालाबाजारी समूह की अध्यक्ष/विक्रेता सुश्री बतिया बाई एवं सहायक विक्रेता श्रीमती अरूण इवने द्वारा किये जाना पाये जाने पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 के प्रावधान अनुसार आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खातेगांव द्वारा थाना खातेगांव में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिए दूध, पनीर एवं घी के नमूने

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर जांच एवं निरीक्षण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसीलदार हाटपिपल्या श्रीमती दीपाली जाधव एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सुरेन्द्र ठाकुर के नेतृत्व में संयुक्त दल द्वारा दिनांक 09 सितंबर 2026 को हाटपिपल्या स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान तंवर स्वीट्स एण्ड डेयरी, हाटपिपल्या, जिला देवास से दूध, पनीर एवं घी के नमूने तथा महादेव दूध डेयरी, हाटपिपल्या, जिला देवास से दूध का नमूना लिया गया। सभी नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। इसके साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब द्वारा देवगढ़ चौराहा स्थित सेंधव स्वीट्स एवं राजस्थान स्वीट्स में खाद्य पदार्थ तलने में उपयोग किए जा रहे तेल की मौके पर जांच की गई। उदावत रेस्टोरेंट में भी खाद्य पदार्थ तलने वाले तेल की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान उदावत रेस्टोरेंट से लगभग 500 मिलीलीटर क्षमता वाली 30 से 35 एक्सपायरी कोल्ड्रिंक्स की बोतलों का विनिष्टीकरण कराया गया। मोबाइल लैब के माध्यम से बाजार में विक्रय किए जा रहे विभिन्न मसालों की भी मौके पर जांच की गई। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के संबंध में प्रतिष्ठान संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच एवं मिलावट के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मिशन डायरेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने शुजालपुर एवं कालापीपल क्षेत्र की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण किया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल से नेशनल हेल्थ मिशन डायरेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने शुजालपुर एवं कालापीपल क्षेत्र की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य ने बताया कि मिशन संचालक द्वारा सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर जेठड़ा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालापीपल का निरीक्षण किया।सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर के निरीक्षण के दौरान मिशन डायरेक्टर ने ओपीडी, प्रसूति कक्ष, एनबीएसयू, वार्ड, पीएनसी वार्ड, ड्रग स्टोर, लैब एवं जिंक कॉर्नर सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने रामपुरा तहसील का किया निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को मनासा विकासखंड की तहसील रामपुरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय में संचालित विभिन्न शासकीय कार्यों, आधार सेंटर, लोक सेवा गारंटी तथा राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रास्ता विवाद एवं अन्य राजस्व प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने विवादित नामांतरण एवं बंटवारे के प्रकरणों की भी समीक्षा की तथा इनके निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दिए निर्देश—

- लंबित राजस्व प्रकरणों का नियमानुसार निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।
- नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं रास्ता विवाद सहित आमजन से जुड़े प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत किया जाए।
- आमजन द्वारा प्रस्तुत आवेदनों को केवल तकनीकी खामियों के कारण निरस्त नहीं किया जाए। आवश्यक सुधार अथवा पूर्ति के लिए आवेदक को उचित मार्गदर्शन देकर प्रकरण का संवेदनशीलता के साथ यथासंभव निराकरण किया जाए।
- न्यायालय तहसीलदार के प्रकरणों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर कमियों को दूर करते हुए नियमानुसार एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए।
- पीएम स्वामित्व एवं फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति बढ़ाते हुए पात्र हितग्राहियों की फार्मर रजिस्ट्री समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए।
- राजस्व अभिलेखों का उचित संधारण करते हुए कार्यालयीन रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखा जाए।
- तहसील कार्यालय में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए तथा उन्हें शासन की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए।

आयुक्त ने किया एमजी रोड के साथ वार्डो का औचक निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमजी रोड पर चल रहे निर्माण कार्यो का औचक निरीक्षण निगमायुक्त दलीप कुमार के द्वारा शुक्रवार 11 सितम्बर को किया गया। आयुक्त द्वारा सयाजी द्वार से पुराने कलेक्टर आफिस के सामने से तहसील चौराहा, नावेल्टी चौराहा, तीन बत्ती चौराहा, सुभाष चौक, गांजाभाग चौराहा तक पैदल भ्रमण कर दोनो तरफ चल रहे कार्यो को देखा।

आयुक्त ने कहा कि सयाजी द्वार से तहसील चौराहा तक चल रहे सीसी रोड के कार्यो में मुरम डालने के कार्य के साथ पानी भी डालें, तत्पश्चात प्रापर रोलिंग करें। आयुक्त ने सुभाष चौक से नावेल्टी चौराहा तक में चेम्बर निर्माण के साथ अन्य कार्य जो शेष बचें है उन्हें शीताशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश फर्म के पदाधिकारियों को दिये। सुभाष चौक से नावेल्टी चौराहा भैरू मंदिर तक रिईस्टोरेंशन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के साथ ही एमजी रोड पर लगे बिजली के खंबों को भी हटाने के कार्य मे प्रगति लाने हेतु कहा।

इसी के साथ मुख्यमंत्री अधोसंरचना अन्तर्गत गजरा गियर्स चौराहा से बीएनपी गेट तक चल रहे सडक चौडीकरण के कार्यो को आयुक्त ने देखा। जिसमें संबंधित ठेकेदार को अपने कार्य में मशीनरी संसाधनों को बढाकर कार्य मे प्रगति लाने के साथ ही सीसी रोड के लिए जो खुदाई की है उसे भराव करनें के साथ पानी डालने व प्रापर रोलिंग करने के निर्देश दिये उसके पश्चात सीसी रोड निर्माण मे लगने वाले मटेरियल का उपयोग करें। आयुक्त ने बीएनपी गेट से अम्बेडकर नगर के मेन रोड पर लगे पेवर्स ब्लॉक के निरीक्षण के साथ अन्य वार्डो मे भी किये गये निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया।

म.प्र.डे.रा.ग्रा.आ.मिशन भोपाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री निगम ने कालापीपल ब्लॉक का निरीक्षण किया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंर्तगत म.प्र.डे.रा.ग्रा.आ.मिशन भोपाल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय निगम (ह्रस) द्वारा कालापीपल ब्लॉक के ग्राम पंचायत गणेशपुर का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवासों का निरीक्षण एवं हितग्राही से चर्चा की। जल निगम द्वारा बनाई जा रहीं पेयजल टंकी का निरिक्षण, आंगनवाड़ी का निरिक्षण किया गया। साथ ही ग्रामीणों द्वारा नाली की सफाई की शिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए पंचायत सचिव को सफाई के निर्देश दिये गये।

श्री विनय निगम ने मध्यान भोजन संचालनकर्ता समूह को दो दिवस में बर्तन क्रय कर नवीन बर्तनों का उपयोग प्रारम्भ करने के लिए समूह को निर्देशित किया। साथ ही पंचायत में स्वच्छता हेतु कचरा वाहन की व्यवस्था, पुरानी बस्ती में ग्रामीणों के लिये मांगलिक भवन की व्यवस्था के लिए एवं जर्जर आंगनवाड़ी भवन से आंगनवाड़ी का स्थान परिवर्तन कर नवीन भवन निर्माण करनें तक ग्राम पंचायत में संचालन करने के लिए निर्देशित किया। निरक्षर ग्रामीणों को सुबह या शाम में ग्राम पंचायत में शिक्षित करनें के लिए कक्षा लगाने एवं ग्राम पंचायत के कर वसूली को बढ़ाने के निर्देश दिये गये। ग्राम में गठित समूहों की सदस्य दीदीयों से चर्चा की गई। चर्चा में 39 लखपती दीदी ग्राम बनाई गई हैं। 10 समूहों को बैंक से ऋण प्राप्त कराया गया हैं। 03 समूहों को आरसेटी से अगरबत्ती निर्माण का प्रशिक्षण कराया गया। दीदीयों से चर्चा पश्चात् सीईओं एनआरएलएम द्वारा उपस्थित अधिकारियों को अगरवत्ती बनाने के लिए मशीन उपलब्ध कराने हेतु, वी बी जीरामजी से पशु सेड बनवाना, पशु पालन विभाग से ट्रेनिंग एवं योजना से पशु दिलवाना है, कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया गया।

इसी के साथ एनआरएलएम सीईओ श्री निगम द्वारा सहारा संकुल स्तरीय संगठन खोकराकलां में संचालित सहारा प्रिंटींग प्रेस अवलोकन किया गया। इस गतिविधि को ओर अधिक लाभप्रद बनाने के लिए समस्त विभागों से एवं आजीविका मिशन के गठित समूहों को दस्तावेजों की उपलब्धता के लिए प्रिंटिंग प्रेस को कार्य आदेश दिलवानें हेतु निर्देशित किया गया। संकुल संगठन कार्यालय मे उपस्थित लखपति दीदीयों से सम्वाद किया गया। इसके पश्चात् कल्याणी संकुल स्तरीय संगठन अंतर्गत पीएमएफएमई योजना से गौरी आजीविका पशु आहार निर्माण एवं विक्रय ईकाई का अवलोकन एवं निरीक्षण कर दीदीयों से सम्पूर्ण ईकाई की जानकारी प्राप्त की गई एवं पशु आहार किन-किन तत्वों से मिलकर बनता हैं उससे पशुओं में क्या बदलाव आता हैं की जानकारी प्राप्त की। इसी ईकाई में आजीविका मिशन इंदौर जिले से इस ईकाई को इंदौर जिले में प्रारम्भ करने के लिए संकुल स्तरीय संगठन की दीदीयों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण किया गया। सम्पूर्ण भ्रमण पश्चात उपस्थित जिला एवं ब्लॉक ईकाई के उपस्थित अधिकारियों को आजीविका मिशन के सम्पूर्ण घटकों के लक्ष्यों को समय पर शत प्रतिशत प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर आजीविका मिशन के जिला एवं विकासखण्ड अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्राम पंचायत सचिव व रोजगार सहायक उपस्थित रहें।

अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय पर आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास के सहयोग से जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 11 सितम्बर को अलसुबह आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने वृत्त नीमच पश्चिम के अंतर्गत ग्राम धामनिया पठारी, धामनिया जांगीर, माताजी का खेड़ा एवं रामनगर सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अवैध मदिरा निर्माण एवं संग्रहण के विरुद्ध कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीम ने लगभग 850 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 27 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की। जप्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 91 हजार 750 रुपये है। प्रकरणों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए हैं। यह कार्रवाई जिला आबकारी अधिकारी श्री बी.एल. दांगी के मार्गदर्शन तथा कंट्रोलर एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री बी.एल. सिंगाड़ा के नेतृत्व में की गई।

कलेक्टर ने रामपुरा सिविल अस्पताल एवं पोषण पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को मनासा विकासखंड के रामपुरा स्थित सिविल अस्पताल एवं पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार व्यवस्था एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सिविल अस्पताल के ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, प्रयोगशाला, पेशेंट वार्ड, लेबर रूम तथा आयुष्मान कार्ड एवं जन आरोग्य संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, दवा स्टॉक, जांच व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने निरीक्षण के दौरान, किया जा रहे उपचार के संबंध में मरीजों से भी जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा कि मरीजों को समय पर बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो।

उमंग स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण- कलेक्टर ने राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संचालित उमंग स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में किशोर-किशोरियों को उपलब्ध कराई जा रही शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य संबंधी निःशुल्क एवं गोपनीय परामर्श सेवाओं की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।

पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के स्वास्थ्य की ली जानकारी-कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य एवं उपचार में हो रहे सुधार की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं, पोषण आहार, दवाइयों तथा स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने निर्देश दिए कि कुपोषित बच्चों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए। बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार की नियमित निगरानी करते हुए उनकी प्रगति का रिकॉर्ड संधारित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा वेतन संबंधी समस्या से अवगत कराने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समस्या का शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम सुश्री किरण आंजना, सीएमएचओ डॉ. डी. प्रसाद, बीएमओ डॉ. साजिद अंसारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महान तंत्र साधक महाभैरवाचार्य भैरव गौरव विश्व कीर्ति श्री सम्मान एवं डॉ आफ आगम तंत्र से सम्मानित

उन्हेल उज्जैन नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में हुआ भव्य अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मान समारोह – 2026

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण ब्यूरो (भारत) के तत्वावधान में नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मान समारोह- 2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में लखनऊ के प्रमुख गुह्यकाली उपासक महाभैरवाचार्य भैरव गौरव को अध्यात्म एवं तंत्र के क्षेत्र में क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्व कीर्ति श्री सम्मान एवं मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए सामाजिक, न्यायिक, प्रशासनिक, शैक्षणिक, आध्यात्मिक एवं विधि क्षेत्र से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर नई दिल्ली का सभागार गणमान्य अतिथियों एवं सम्मानित प्रतिभागियों से खचाखच भरा रहा।

कार्यक्रम में जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिंदू महासभा एवं संत महासभा माननीय सुश्री सुधा रानी रेलंगी जी, सूचना आयुक्त, केंद्रीय सूचना आयोग, भारत सरकार माननीय श्रीमती उषा प्रियदर्शी, अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, हरियाणा माननीय श्रीमती कविता जैन, पूर्व कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार; श्री दशरथ मिश्रा, जिला जज, मुजफ्फरनगर; श्री रवि, अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट, आगरा श्री जितेंद्र पाराशर, जिला जज, शाजापुर, मध्य प्रदेश तथा श्री निहालचंद, जिला जज, पाली, राजस्थान सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

समारोह में प्रोफेसर वेद प्रकाश उपाध्याय, कुलपति डॉ. ऋचा मिश्रा, एमडी, हिंद मेडिकल कॉलेज, सीतापुर-बाराबंकी सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता राकेश तिवारी एवं रजत शर्मा स्वाति सिंघानिया अधिवक्ता सुप्रीमकोर्ट जेपी दुबे, लीगल एडवाइजर, सोशल जस्टिस, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार सरदार दर्शन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक रिटायर्ड पटियाला प्रख्यात रामायण तबला वादक पंडित अशोक शर्मा अंतर्राष्ट्रीय भजन सम्राट जय पांडे संस्था के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र कुमार पाठक महंत लोकेश दास, जगन्नाथ ट्रस्ट, ऋषिकेश महाभैरवाचार्य डॉ भैरव गौरव त्रिपाठी जगतगुरु योगीराज पागल बाबा; श्री ज्ञान प्रकाश, अपर जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर पद्मश्री अर्जुन अवार्ड प्राप्त करने वाले ओलंपियन पहलवान योगेश्वर दत्त सहित अनेक विशिष्टजन मौजूद रहे। समारोह के अध्यक्षता 22 देशो के सलाहकार श्री श्री श्री 1008 जगतगुरु लामा घ्याछो रिन्पोछे नेपाल काठमांडू उपस्थित थे गुरु देव की उपाधि पर उन्हेल आदेश मंडली ने हर्ष जताते हुए बधाइयां दी।

70 वी शालेय राज्य स्तरीय वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता मे राघव दीक्षित ने जिता गोल्ड मैडल

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनाक 7 से 11 सितम्बर को सीहोर मे 70 वीं शालेय राज्य स्तरीय वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमे उज्जैन संभाग से चयनित आदित्य विद्या मंदिर हाई सेकेण्डरी स्कूल के होनहार प्रतिभावान खिलाडी राघव दीक्षित ने सीनियर वर्ग मे अपने वजन समूह मे गोल्ड मैडल जिता । वही सीनियर वर्ग मे अपने वजन समूह मे कृष्णा सोनी ने सिल्वर मैडल हासिल किया । दोनो खिलाड़ियो की इस सफलतम जीत पर नगर आगमन पर विद्यालय संचालक श्रीमती प्रीति कमलेश जायसवाल एवं खेल प्रशिक्षक विजय बोरासी, के. सी. पुरोहित, नागदा - खाचरोद विकासखंड खेल कोर्डिनेटर सपना कछवाय, विद्यालय स्टॉफ जीतेन्द्र अग्रवाल, आसिफ हुसैन, शैलेन्द्र चौहान, हेमंत सूर्यवशी, रविंद्र शर्मा, संयम सोनी, विश्वजीत जायसवाल , प्रभात राणावत, गौरव चौहान , मनीष सिन्हा, आकाश मीणा, मनोज सोनी, दिनेश मीणा, पवन प्रजापत , वंदना शर्मा, राजकुमारी सोनी, पूजा साहनी, कनिष्का वर्मा, निधि नरवान, दीपिका सोनी, ज्योति सिंह, रश्मि वैध्य, सपना,महेश्वरी, आदि समस्त स्टॉफ गण एवं समस्त विद्यार्थियों द्वारा दोनो खिलाड़ियो का पुष्प वर्षा एवं पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत किया। राघव दीक्षित के मध्य प्रदेश की ओर से दिल्ली मे आयोजित होने वाली नेशनल चेम्पियनशिप मे भाग लेने जाने पर डाइरेक्टर सर एवं सम्पूर्ण स्टाफ ने शुभकामनाएँ भेट कर उज्जवल भविष्य की कामना की।

रामदेवरा जाने वाले भक्तों के लिए लगाया लंगर, समापन पर उमड़े श्रद्धालु

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान के रामदेवरा में लगने वाले बाबा रामदेवजी महाराज के भादवा मेले में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। कोई पैदल तो कोई बाइक और चार पहिया वाहनों से बाबा के धाम की यात्रा करता है। इन श्रद्धालुओं की सेवा के लिए जगह-जगह भक्तों द्वारा लंगर एवं भंडारे आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में रमलखेड़ी, चकखेड़ी, नया अकोदिया एवं सस्ताखेड़ी के श्रद्धालुओं द्वारा पिछले एक माह से बाबा रामदेवजी के भक्तों की सेवा के लिए लंगर लगाया गया था। गुरुवार को लंगर एवं भंडारे का समापन धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। समापन अवसर पर सरपंच संघ शाजापुर जिला अध्यक्ष श्री राकेश जायसवाल भी शामिल हुए। लंगर एवं भंडारा समिति की ओर से उनका स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण करने के साथ ही महाआरती का लाभ लिया। इस अवसर पर रमलखेड़ी, चकखेड़ी, नया अकोदिया एवं सस्ताखेड़ी सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान बाबा रामदेवजी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

511 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर सनौली पहुंची वीर तेजाजी महाराज की दिव्य ज्योत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर तहसील के ग्राम सलोनी में वीर तेजाजी महाराज की दिव्य ज्योत की यात्रा राजस्थान के सुरसुरा धाम से गांव सनौली, नागदा तह. बदनावर जिला धार मध्यप्रदेश तक वीर तेजाजी महाराज की दिव्य पैदल ज्योत 511 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी कर सनौली पहुंची। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं ने नंगे पांव पैदल यात्रा करते हुए तेजाजी महाराज की पवित्र ज्योत को लेकर सनौली में प्रवेश किया। यात्रा में कई जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया गया बदनावर के महाराणा प्रताप चौक पर भी समाज जनों द्वारा स्वागत किया गया यह दिव्य ज्योत पहली बार सनौली गांव में पहुंची, जिसे लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल रहा। ज्योत के सनौली पहुंचने पर ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया और वीर तेजाजी महाराज के जयकारों से पूरा गांव गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने कठिन परिस्थितियों और भीषण गर्मी की परवाह किए बिना 511 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर अपनी आस्था और भक्ति का परिचय दिया। इस ऐतिहासिक धार्मिक यात्रा को लेकर समस्त ग्राम सनौली में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। वीर तेजाजी महाराज की जय की जय करो से गूंज उठा गांव।

गाजनोद में लोकदेवता तेजाजी महाराज पर लिखित पुस्तक का होगा विमोचन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री वीर तेजाजी महाराज गायन समिति, ग्राम गाजनोद द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समिति द्वारा लिखित लोकदेवता श्री सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज गायन कथा की जीवन लेखनी पुस्तक का विमोचन इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा। यह कार्यक्रम शनिवार, 12 सितंबर 2026 को दोपहर 12ः30 बजे तेजाजी चौक, ग्राम गाजनोद में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर आसपास की 20 से 25 भजन मंडलीयों को भी सम्मानित किया जाएगा जो तेजाजी गायन का काम करती हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 सतगुरु योगेश जी महाराज (बालीपुर धाम), धर्मेन्द्र सिंह मौर्य - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं मालवा प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख, लक्ष्मीनारायण आर्य - उप प्रतिनिधि म.प्र. भोपाल और प्रेमाराम पुनिया जाट - पतंजलि युवा भारत राज्य प्रभारी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक रतनलाल पाटीदार, प्रदेश अध्यक्ष जय सरदार सेना, पाटीदार समाज संगठन म.प्र., पूर्व जिला महामंत्री भा.ज.पा. किसान मोर्चा धार, ग्राम अमोदिया हैं। कार्यक्रम के पश्चात् स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई है।

रामदेव बाबा मंदिर में दुज पर होंगे विभिन्न आयोजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अति प्राचीन रामदेव बाबा का मंदिर खटीक मोहल्ले में स्थापित है इस मंदिर में भादवा माह की बड़ी दूज रविवार को पूजन पाठ कर बाबा का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा मंदिर में प्रातःहवन होगा और शाम 6ः00 रामदेव बाबा की महा आरती होगी। पश्चात रात्रि में भजन कीर्तन का आयोजन रखा गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह से शाम तक बाबा के दर्शन लाभ लेंगे । जानकारी पुजारी नारायण डांगी एवं देवपुरी गोस्वामी ने दी।

तैयार होने का मज़ा यहीं से शुरू होता हैः गणेश चतुर्थी और त्योहारों के मौसम की वापसी - नायका फ़ैशन की ओर से

मुम्बई। त्योहारों के मौसम की एक बात तो पक्की है- सजने-संवरने का कोई न कोई बहाना मिल ही जाता है। और गणेश चतुर्थी पर तो ऐसे कई मौके आते हैं।

बप्पा के घर आने पर पहनने के लिए एक खास आउटफिट, परिवार के साथ आरती के लिए दूसरा, पंडाल घूमने के लिए कुछ आरामदायक कपड़े और दोस्तों के साथ शाम बिताने के लिए एक खास लुक। साथ ही त्योहारों के लंच, अचानक बने प्लान और ढेर सारी तस्वीरें—इन सबके लिए सिर्फ़ एक आउटफिट काफ़ी नहीं होता।

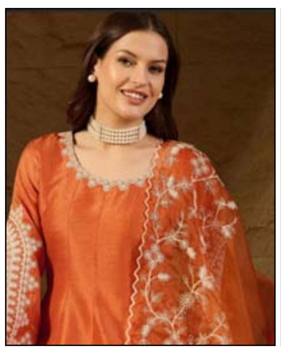

इस गणेश चतुर्थी पर, नायका फ़ैशन में त्योहारों के लिए कई तरह के स्टाइल देखने को मिल रहे हैं—रंगीन कुर्ता सेट और क्लासिक अनारकली से लेकर मॉडर्न को-ऑर्ड्स और साड़ियों तक। इन सबमें एक बात कॉमन है- ऐसे कपड़े जो त्योहार जैसा एहसास तो देते हैं, लेकिन जिन्हें सिर्फ़ एक दिन के लिए ही नहीं, बल्कि कभी भी पहना जा सकता है।

रंगों से भर दें अपना उत्सव- कुछ मौके ऐसे होते हैं जो रंगों की माँग करते हैं, और गणेश चतुर्थी उनमें से एक है। चटक गुलाबी, नारंगी और हरे रंग पलभर में उत्सव का माहौल बना देते हैं—चाहे आप घर पर पूजा के लिए तैयार हो रहे हों या बाहर जाकर गणेशोत्सव की रौनक देखने की योजना हो। आद्वेका मैजेंटा जयपुरी प्रिंटेड कॉटन कुर्ता, शरारा और दुपट्टा सेट अपने जीवंत गुलाबी रंग और पारंपरिक प्रिंट के साथ इस उत्सवी रंगत को खूबसूरती से पेश करता है, जबकि वाम्सी ऑरेंज सिल्क एम्ब्रॉयडर्ड अनारकली कुर्ता सेट अपने गहरे नारंगी रंग और बारीक कढ़ाई के साथ शाही अंदाज़ का एहसास कराता है।

कुर्ता वही, अंदाज़ बिल्कुल नया- कुर्ता सेट लंबे समय से फेस्टिव वॉर्डरोब का पसंदीदा हिस्सा रहा है—लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर बार इसका लुक एक जैसा ही हो। इस सीज़न में वही परिचित सिल्हूट नए रंगों, खूबसूरत कढ़ाई और आकर्षक दुपट्टों के साथ एक अलग पहचान बना रहे हैं। शॉप गुलमोहर सहर गोल्डन एम्ब्रॉयडर्ड आइवरी अनारकली, मैजेंटा दुपट्टे के साथ क्लासिक आइवरी बेस को चमकीले मैजेंटा दुपट्टे के साथ खूबसूरती से पेश करता है, वहीं ओडेट ग्रीन सिल्क ब्लेंड एम्ब्रॉयडर्ड कुर्ता सेट अपने एलिगेंट हरे रंग के साथ सादगी में भी खास नज़र आता है।

जब प्लान हो कुछ हटकर पहनने का- और फिर आते हैं वे खास मौके, जहाँ सिर्फ़ कुर्ता पहनना काफी नहीं लगता। डिनर, पार्टियों और दोस्तों के साथ होने वाले उत्सवों के लिए अब मॉडर्न सिल्हूट भी फेस्टिव वॉर्डरोब का अहम हिस्सा बन चुके हैं। शॉप गुलमोहर रेड वन-शोल्डर मिरर वर्क को-ऑर्ड सेट अपने मॉडर्न वन-शोल्डर डिज़ाइन और मिरर वर्क के साथ फेस्टिव ग्लैमर जोड़ता है, जबकि कल्कि ग्रीन फ्लोरल प्रिंटेड अनारकली सेट अपने फ्लोरल प्रिंट के साथ एक ताज़ा और चंचल अंदाज़ पेश करता है।

साड़ी का जादू कभी कम नहीं होता- बेशक, कोई भी फेस्टिव वॉर्डरोब साड़ी के बिना पूरा नहीं होता। यह सदाबहार सिल्हूट हर अवसर पर अपनी खास जगह बना लेता है, और हल्के फैब्रिक इसे पारिवारिक समारोहों से लेकर शाम की उत्सवी महफ़िलों तक आराम से पहनने लायक बनाते हैं। कल्कि डार्क ग्रीन ज़री बॉर्डर बुट्टी पल्लू टिश्यू सिल्क साड़ी।

किसानों से डॉलर चना खरीदकर भुगतान नहीं करने का मामला, 2 आरोपियों को 5-5 साल की सजा

37 किसानों से जुड़े मामले में अदालत का फैसला, सुरेश जैन और विशाल जैन दोषसिद्ध

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। किसानों से डॉलर चना खरीदकर उसका पूरा भुगतान नहीं करने तथा कृषि उपज के कथित दुरुपयोग से जुड़े वर्ष 2019 के मामले में बड़नगर की अपर सत्र अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश रामविलास गुप्ता की अदालत ने आरोपी सुरेश पिता इंदरमल जैन, निवासी महिदपुर और विशाल पिता सुभाष जैन, निवासी खरसोदाकलां को भारतीय दंड संहिता की धारा 420 सहपठित धारा 120-बी के तहत दोषसिद्ध करते हुए 5-5 वर्ष के सश्रम कारावास और 5-5 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा नहीं करने की स्थिति में दोनों आरोपियों को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। प्रकरण में तीसरे आरोपी प्रकाश उर्फ संजय पिता इंदरमल जैन की विचारण के दौरान मृत्यु हो चुकी थी। इसलिए न्यायालय का निर्णय सुरेश और विशाल के संबंध में पारित किया गया।

37 किसानों से चना खरीदा पर भुगतान नहीं किया- न्यायालयीन निर्णय के अनुसार, घटना वर्ष 2019 की है। अभियोजन के अनुसार, कृषि उपज मंडी परिसर बड़नगर में संचालित फर्म आदेश्वर ट्रेडर्स से जुड़े आरोपियों द्वारा किसानों से डॉलर चना खरीदा गया। शिकायतों के अनुसार किसानों को चना खरीदने के बाद उसका पूरा भुगतान नहीं किया गया। प्रकरण में कुल 37 किसानों के शिकायत आवेदन और भुगतान संबंधी दस्तावेज पुलिस जांच के दौरान सामने आए। न्यायालयीन रिकॉर्ड में अलग-अलग किसानों से खरीदे गए डॉलर चने तथा उनके बकाया भुगतान का विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

न्यायालयीन निर्णय में एक स्थान पर 26 किसानों से 375.05 क्विंटल डॉलर चना खरीदकर 16,41,851 रुपये की राशि का भुगतान नहीं किए जाने का उल्लेख है, जबकि विस्तृत अभियोजन सामग्री में कुल प्रकरण से जुड़ी अन्य राशियों और किसानों का भी उल्लेख किया गया है।

मंडी से माल निकालकर दूसरे स्थान पर रखने का भी आरोप - मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने कृषि उपज मंडी बड़नगर स्थित आरोपी के गोदाम तथा अन्य स्थानों से संबंधित दस्तावेज और कृषि उपज की जानकारी जुटाई। न्यायालयीन रिकॉर्ड में अभियोजन की ओर से आरोप रखा गया कि किसानों से खरीदा गया डॉलर चना मंडी से बाहर ले जाकर अन्य स्थानों पर रखा गया तथा कुछ मामलों में दूसरे किसानों के नाम से दर्ज कराया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस ने विभिन्न दस्तावेज, भुगतान पर्चियां, मंडी रिकॉर्ड, गोदाम की रसीदें तथा अन्य साक्ष्य जब्त किए। आरोपी प्रकाश की निशानदेही पर बड़ी मात्रा में डॉलर चना बरामद किए जाने का भी उल्लेख न्यायालयीन रिकॉर्ड में है।न्यायालय के रिकॉर्ड के अनुसार, जांच के दौरान कुल 517 बोरी डॉलर चना जब्त किया गया था। बाद में न्यायालय के आदेश से जब्त चने को मंडी समिति के सुपुर्द किया गया तथा न्यायालय की अनुमति के बाद उसकी बिक्री कर संबंधित किसानों के बकाया भुगतान की कार्रवाई की गई।

जांच में सामने आया साजिश का पहलू - अभियोजन की ओर से न्यायालय में यह तर्क रखा गया कि किसानों से खरीदे गए चने का भुगतान किए बिना उसे अन्य स्थानों पर रखने और बेचने की प्रक्रिया में आरोपियों के बीच आपसी समन्वय था। इसी आधार पर मामले में धारा 120-बी भारतीय दंड संहिता का आरोप जोड़ा गया।अभियोजन के अनुसार, चने को दूसरे किसानों के नाम से रखने तथा मंडी से बिना आवश्यक प्रक्रिया के बाहर ले जाने के संबंध में भी जांच के दौरान दस्तावेज और गवाहों के बयान सामने आए।

अदालत में पेश किए गए दस्तावेज और गवाह- मामले की सुनवाई के दौरान मंडी समिति के तत्कालीन सचिव हरगोविंद सोनगरा सहित पुलिस अधिकारियों, किसानों, वाहन चालकों और अन्य संबंधित गवाहों के बयान दर्ज किए गए। मंडी रिकॉर्ड, भुगतान पर्चियां, गोदाम रसीदें, तौल कांटा पर्चियां तथा अन्य दस्तावेजों को भी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया।अभियोजन पक्ष ने इन साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी ठहराने की मांग की, जबकि बचाव पक्ष की ओर से आरोपियों को निर्दोष बताते हुए झूठा फंसाए जाने का तर्क रखा गया।

10 सितंबर 2026 को सुनाया फैसला- मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश बड़नगर रामविलास गुप्ता ने 10 सितंबर 2026 को निर्णय सुनाया। न्यायालय ने सुरेश और विशाल को धारा 420 सहपठित धारा 120-बी भारतीय दंड संहिता के अपराध में दोषी पाया।

दोनों आरोपियों को 5 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 5-5 हजार रुपये का अर्थदंड दिया गया। अर्थदंड जमा नहीं करने की स्थिति में दोनों को अतिरिक्त 2 माह के सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को सजा भुगतने के लिए जेल भेजने के निर्देश भी दिए। साथ ही विचारण के दौरान न्यायिक अभिरक्षा में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किए जाने का उल्लेख निर्णय में किया गया है।

2019 में शुरू हुआ मामला, 2026 में आया फैसला- इस पूरे मामले की शुरुआत 27 मार्च 2019 को कृषि उपज मंडी समिति बड़नगर के सचिव द्वारा पुलिस को दिए गए लिखित आवेदन से हुई थी। इसके बाद थाना बड़नगर में अपराध क्रमांक 145/2019 दर्ज किया गया।

जांच के बाद मामला न्यायालय पहुंचा और सत्र प्रकरण क्रमांक 31/2021 के रूप में सुनवाई हुई। करीब सात वर्ष पुराने इस मामले में आखिरकार 10 सितंबर 2026 को अदालत का फैसला सामने आया।प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक लोकेन्द्रसिंह परिहार ने की। न्यायालयीन रिकॉर्ड में पुलिस एवं न्यायालयीन प्रक्रिया के संचालन में प्रधान आरक्षक प्रताप मकवाना, शौभीत शुक्ला तथा न्यायालय कर्मचारी जगदीश प्रजापत की भूमिका का भी उल्लेख किया गया है।

फैसले का सार-

- अपराध क्रमांक – 145/2019
- सत्र प्रकरण – 31/2021
- निर्णय – 10 सितंबर 2026
- दोषसिद्ध आरोपी – सुरेश जैन और विशाल जैन
- धारा – 420 सहपठित 120-बी भादंवि
- सजा – 5-5 वर्ष सश्रम कारावास
- अर्थदंड – 5-5 हजार रुपये
- तीसरा आरोपी प्रकाश उर्फ संजय जैन – विचारण के दौरान मृत्यु
- अभियोजन पैरवी – अपर लोक अभियोजक लोकेन्द्रसिंह परिहार

माटी और गोबर से गढ़ी आस्था, मुलथान की बेटी नेहा शर्मा ने बनाई मनमोहक ईको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएँ, क्षेत्र में हो रही सराहना

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जहाँ एक ओर गणेशोत्सव की तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं, वहीं बदनावर तहसील के ग्राम मुलथान की होनहार बेटी नेहा मोहनलाल शर्मा ने अपनी अनूठी कला साधना और मेहनत से पूरे क्षेत्र का दिल जीत लिया है। हाल ही में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाली नेहा ने पर्यावरण संरक्षण की एक मिसाल पेश करते हुए पूरी तरह मिट्टी और पवित्र गोबर से निर्मित भगवान श्री गणेश जी की बेहद मनमोहक और ईको-फ्रेंडली प्रतिमाएँ तैयार की हैं।

नेहा का यह हुनर केवल कला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति और प्रकृति-रक्षण का एक सुंदर संगम है। प्लास्टिक और पीओपी के इस दौर में नेहा का यह प्रयास समाज को एक नया संदेश दे रहा है। उन्होंने नेहा आर्ट - गणेश मूर्ति भंडार के माध्यम से इन ईको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं का निर्माण शुरू किया है, जिससे न केवल उनका परिवार बल्कि पूरा गाँव और बदनावर अंचल गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

कम उम्र में नेहा का यह जज्बा, लगन और स्वावलंबन की भावना युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत है। हाथों से उकेरी गई गणेश जी की ये मनभावन मूर्तियाँ नेहा की कड़ी मेहनत और बारीक कारीगरी का जीवंत उदाहरण हैं।

गाँव व आसपास के निवासियों और गणमान्य जनों ने नेहा की इस उत्कृष्ट कला साधना की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

सभी ने विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी से प्रार्थना की है कि नेहा बेटी को जीवन के हर क्षेत्र में अपार सफलता, यश, प्रसिद्धि और उज्ज्वल भविष्य प्राप्त हो।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर देपालपुर में कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 19 सितंबर को इंदौर में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी के प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, संगठन की भूमिका तथा अधिक से अधिक युवाओं एवं छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, AICC के पूर्व सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, इंदौर जिला प्रभारी विजयलक्ष्मी साधो, सह प्रभारी अजय रघुवंशी, जिला सहकारी संघ के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम पटेल, पूर्व दुग्ध संघ अध्यक्ष मोतिसिंह पटेल, उमरावसिंह मौर्य, विजय बिलोनीया, देपालपुर विधानसभा प्रभारी मनोज सिंह गौतम, ऋतुराज सिंह चौहान, जिला संगठन महामंत्री दौलत पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोहन चौधरी, सुनेरसिंह भाईजी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मजीद खान, देवकरण गुर्जर, यशवंत राठौर, वीरेंद्र दरबार, मंडलम अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया ने किया, जबकि आभार नगर पंचायत देपालपुर के पूर्व अध्यक्ष संतोष ठाकुर ने माना। बैठक में कार्यकर्ताओं से 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

सुदामा चरित्र सुन भावुक हुए श्रद्धालु, भव्य शोभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का समापन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगर के श्री गुजराती रामी माली समाज धर्मशाला में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के सातवें एवं समापन दिवस पर सुदामा चरित्र की कथा सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

कथा व्यास हेमंत कश्यप महाराज (हरिद्वार) ने भगवान श्रीकृष्ण एवं सुदामा की अनूठी मित्रता का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान चावल (तंदुल) अर्पण का प्रसंग आते ही पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। इस दौरान पूरे पंडाल में ÷जय श्री कृष्ण–जय श्री सुदामा÷ के जयकारे गूंज उठे।

समापन दिवस पर प्रातः विधि-विधानपूर्वक हवन-पूजन किया गया। यजमानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर विश्व कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। कथा के पश्चात आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

इसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा श्री राम मंदिर चौक से प्रारंभ होकर कुमावत सेरी, एवं पुनः श्री राम मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों की थाप पर श्रद्धालु जमकर झूमे और नृत्य किया। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

कथा समापन के अवसर पर समाजजनों द्वारा कथा व्यास हेमंत जी कश्यप महाराज का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। विधायक जितेंद्र उदय सिंह पंड्या ने भी गुरुदेव का स्वागत एवं सम्मान किया। इसके साथ ही आसपास के गांवों से कथा में पधारे भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा भी गुरुदेव का सम्मान किया गया।

भक्ति और उल्लास से सराबोर वातावरण में निकली शोभायात्रा ने नगर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक माहौल बना दिया। इसी के साथ सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत एवं भव्य समापन हुआ।

संस्था एक पहल की अनोखी पहल

उमंग सिंघार के नेतृत्व में 20 ग्राम पंचायतों के लिए गणेश प्रतिमाओं का वितरण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म, संस्कृति, सामाजिक एकता और आदिवासी गौरव के संकल्प को साकार करते हुए संस्था एक पहल के तत्वावधान में गणेशोत्सव के पावन पर्व पर एक विशेष आयोजन संपन्न हुआ। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में प्रथम वर्ष बदनावर विधानसभा क्षेत्र के पश्चिमी अंचल की 20 ग्राम पंचायतों में स्थापित करने हेतु श्री गणेश जी की प्रतिमाओं का भावपूर्ण वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संदीप शेखावत, परितोष सिंह राठौर (बंजी बन्ना), मंडल अध्यक्ष मुकेश होती, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, जिला महासचिव सोनू जाट, और जनपद सदस्य बबलू भाभर विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में नीलेश चौधरी, राकेश चौधरी, संदीप चौधरी, नीलेश डिंडोर, अर्जुन मोरी, परमानंद ओसारी, राजेश डामर, संतोष डामर, रामप्रसादेडा, श्रवण मेड़ा, समरथ मंडलोई, राजाराम निनामा, सुरेश डोडियार, भारत भूरिया, कनीराम, राजाराम बावड़िया, जितेन्द्र गिरवाल, शम्भू मोरी (छायन) सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का सफल संचालन जयस अध्यक्ष नंदराम वसुनिया ने किया, वहीं अंत में आभार प्रदर्शन आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष मनोहर मकवाना (छायन) द्वारा व्यक्त किया गया।

हिंदी माह के अंतर्गत नन्हे-मुन्नों ने दी हिंदी व्याकरण पर रोचक नाट्य प्रस्तुति

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बड़वानी में प्राचार्य श्री कुंदन राठौर के मार्गदर्शन में हिंदी माह उत्सव के अंतर्गत निरंतर नई और प्रेरणादायी साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विद्यालय के प्राथमिक विभाग के कक्षा चौथी के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से हिंदी व्याकरण, भाषा का आधार, विषय पर एक अत्यंत रोचक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक नाट्य प्रस्तुति दी गई। इस नाट्य मंचन की विशेष बात यह रही कि इसमें कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने अत्यधिक उत्साह के साथ बड़ी संख्या (अधिकतम सहभागिता) में भाग लिया। नन्हे-मुन्नों ने रंगमंचीय विधा के माध्यम से हिंदी व्याकरण के क्लिष्ट नियमों को अत्यंत सरल और सहज बनाकर प्रस्तुत किया। इस रोचक क्रियाकलाप के सूत्रधार भी चौथी के छात्र समर्थ व्यास थे . नाट्य रूपांतरण के दौरान छात्रों ने व्याकरण के प्रमुख अंगों, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग एवं वचन के पात्र बनकर उनके लक्षण (परिभाषाएं) तथा दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरण बड़े ही संगीतमय और नाटकीय अंदाज़ में प्रस्तुत किए। इस अभिनव प्रयास ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति नीरसता को दूर कर कौतुक, संवेदनशीलता एवं नई जागृति का संचार किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्री कुंदन राठौर ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में प्राथमिक वर्ग के बाल-कलाकारों के इस प्रयास की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण के पठन-पाठन का व्यावहारिक महत्व समझाते हुए कहा कि व्याकरण ही वह सूत्र है जो भाषा को शुद्धता, अनुशासन और सौंदर्य प्रदान करता है। यदि नींव मजबूत होगी, तो भाषा पर पकड़ अपने आप सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम की संयोजिका प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती रश्मि सोनी रही जिनकी प्रेरणा से नन्हे विद्यार्थियों ने मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया वहीं कार्यक्रम के समन्वयक विप्लव शर्मा थे।

दूध का न्यूनतम भाव 100 रुपए करने की मांग, विधायक व एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के दुग्ध उत्पादक किसानों ने दूध का उचित मूल्य दिलाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को विधायक भैरो सिंह बापू एवं एसडीएम देवकुंवर सोलंकी को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने दूध का न्यूनतम खरीद मूल्य 100 रुपए प्रति लीटर एवं फैट की दर 12 रुपए प्रति फैट निर्धारित करने की मांग की।

किसानों ने ज्ञापन में बताया कि पिछले कुछ समय से पशुपालन की लागत लगातार बढ़ रही है। पशु आहार, चारा, चोकर, खली सहित अन्य सामग्री के दाम बढ़ने के साथ ही दुधारू पशुओं की दवाइयों एवं उपचार पर होने वाला खर्च भी बढ़ गया है। इसके अलावा मजदूरी और दूध को कलेक्शन सेंटर तक पहुंचाने के परिवहन खर्च में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में वर्तमान में मिल रहे दूध के मूल्य से किसानों के लिए पशुपालन की लागत निकालना मुश्किल हो रहा है।

किसानों ने कहा कि दुग्ध व्यवसाय ग्रामीण क्षेत्र के अनेक परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। यदि दूध का उचित मूल्य नहीं मिला तो किसानों के सामने पशुपालन जारी रखना मुश्किल हो सकता है। इसी को देखते हुए दूध का न्यूनतम खरीद मूल्य 100 रुपए प्रति लीटर तथा गुणवत्ता के आधार पर 12 रुपए प्रति फैट पॉइंट की दर निर्धारित करने की मांग की गई है।

ज्ञापन में किसानों ने मांगों का 15 सितंबर तक निराकरण करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय तक मांगों का समाधान नहीं होने पर 16 सितंबर से जन आंदोलन एवं हड़ताल की जाएगी। इस दौरान किसानों ने विधायक से भी उनकी मांगों को शासन एवं संबंधित विभाग के समक्ष रखने की मांग की। विधायक भैरो सिंह बापू ने किसानों की मांगों को संबंधित अधिकारियों एवं सरकार तक पहुंचाकर उचित समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने की बात कही।

कलेक्टर ने लगाई चौपाल, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं ग्रामीण विकास स्वरोजगार एवं विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को वितरित किए प्रमाण-पत्र

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान, इन्फ्लुएंसर संवाद एवं उद्यम संवाद के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्राम घिनौदा स्थित पाटीदार धर्मशाला में किया गया। दोपहर 1 बजे से आयोजित शिविर में जिला कलेक्टर रोशनसिंह कुमार, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित जिले एवं तहसील स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे शिविर में खाचरौद तहसील की विभिन्न ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, पंचायत सचिव,सहायक सचिव, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद पंचायत के अधिकारी, थाना प्रभारी सहित जल संसाधन, विद्युत, परिवहन, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे

कलेक्टर ने जानी गांवों की जमीनी हकीकत चौपाल के दौरान कलेक्टर ने ग्राम घिनौदा सहित तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में ग्रामीण विकास, शिक्षा, मध्यान्ह भोजन, पंचायत स्तर की व्यवस्थाओं एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से योजनाओं की प्रगति के साथ-साथ ग्रामीणों को मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी जुटाई गई।

इस दौरान ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र की विभिन्न जनहित की समस्याओं एवं विकास कार्यों को कलेक्टर के समक्ष रखा गया ग्रामीणों ने मांग की कि सड़क, आवास, पट्टे तथा मूलभूत सुविधाओं से जुड़े लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए सड़कों सहित आवास और पट्टे के मामले उठे चौपाल में प्रमुख रूप से घिनौदा से भैंसोला सड़क निर्माण घिनौदा से गांगलीखेड़ा सड़क सहित ग्रामीण क्षेत्रों की आवागमन संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े प्रकरणों तथा पात्र ग्रामीणों को भूमि पट्टे उपलब्ध कराने से संबंधित आवेदन भी प्रस्तुत किए गए ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में सड़क एवं आवास जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े मामलों का समयबद्ध निराकरण होने से बड़ी संख्या में लोगों को सीधा लाभ मिलेगा शिविर के दौरान ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए अधिकारियों ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि चौपाल में उठाई गई जनहित की समस्याओं पर प्रशासन द्वारा गंभीरता से कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे, जिससे क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिल सके।

उत्सव के रूप में मनाया जाये स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान और सेवा से संकल्प अभियान : मुख्यमंत्री

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश में दो महत्वपूर्ण अभियानों का शुभारंभ किया जायेगा। प्रदेश में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा से संकल्प अभियान के रूप में जनसेवा को नये संकल्प के साथ पूरा करने के लिए यह अभियान संचालित किए जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान से प्रदेश के 50 लाख से अधिक ग्रामीण आबादी को उनकी सम्पत्ति की निःशुल्क रजिस्ट्री कर राजस्व विभाग के माध्यम से दस्तावेज उपलब्ध कराये जायेंगे। वहीं, सेवा से संकल्प अभियान के तहत पहले दिन 17 सितम्बर को शाम 7 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ 58 लाख आशीर्वाद के दीपक जलाएं जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आमजन को सुविधा सम्पन्न बनाने और जनसेवा का बड़ा अभियान है। सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में पूरी तैयारी के साथ दोनों ही अभियान को उत्सव के रूप में आयोजित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए जनप्रतिनिधिगण, समाज और आमजन को इनसे जोड़ा जाए। जन-जन तक अभियान की जानकारी पहुंचायें, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। अधिकाधिक युवाओं को अभियान से जोड़ने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ यादव गुरुवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कमिश्नर्स और कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स से कहा कि वे इन दोनों अभियान के लिए अगले दो दिन में माइक्रो प्लानिंग पूर्ण कर लें। जिले में स्वामित्व अभियान का नेतृत्व कलेक्टर स्वयं करें। जिला स्तर पर नोडल अधिकारी, जोनल अधिकारी और सेक्टर अधिकारी भी नियुक्त किए जाएं।

बैठक में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव राजस्व डॉ. ई रमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी सहित अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि स्वामित्व अधिकार निष्पादन अभिलेख, पंजीयन अभियान के अंतर्गत प्रदेश स्तर पर लक्षित भूमि स्वामियों के अधिकार अभिलेखों का राज्य सरकार निःशुल्क पंजीयन (रजिस्ट्री) कराने के अभियान का शुभारंभ करने जा रही है। इस अभियान में प्रदेश भर के 41 हजार 568 गांवों के 68 लाख 47 हजार प्लॉट का सर्वे किया जा चुका है और 50 लाख से अधिक हितग्राहियों के नाम पर निःशुल्क रजिस्ट्री कराई जाएगी। रजिस्ट्री के लिए पंचायत उपकर, अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी छूट का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी के दौरान पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुने गए जिले - आगर-मालवा, बड़वानी, हरदा, अशोक नगर और रायसेन के कलेक्टरों से स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली। कलेक्टरों ने बताया कि स्वामित्व योजना से संबंधित मोबाइल ऐप यूजर फ्रेंडली है। पटवारियों की ट्रेनिंग भी तेजी करवाई जा रही है। भू-अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री से गाँवों में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है।

हितग्राहियों को निष्पक्षता और परदर्शिता के साथ दिलाएं लाभ- बताया गया यह अभियान तीन चरणों में 17 सितम्बर से प्रारंभ होकर 3 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण तेजी से पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामित्व योजना का लाभ हितग्राहियों को पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए।

जिला अस्पताल बड़वानी में सामान्य कचरे के निपटान हेतु निर्मित शेड का लोकार्पण किया

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय बड़वानी के विभिन्न वार्डों एवं यूनिटों से निकलने वाला सामान्य कचरे को पृथक-पृथक गीला एवं सुखा रखे जाने हेतु कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह द्वारा दिये गये निर्देशानुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई गाईडलाइन अनुसार चिकित्सालय परिसर में निर्मित आयुष विभाग के पीछे जो कि चिकित्सालय परिसर की जमीन है। उक्त स्थल पर एक चबुतरा टीन शेड सहित बनवाया गया। जिसका लोकार्पण 11 सितम्बर 2026 को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी निक्कु चौहान के कर कमलों द्वारा करवाया गया । उक्त अवसर पर मण्डल अध्यक्ष भाजपा एवं वार्ड पार्षद के साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी उपस्थित हुए। इस अवसर पर चिकित्सालय के सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, आर.एम.ओ., सहायक अस्पताल प्रबंधक उपस्थित रहे।

देपालपुर में आबकारी विभाग की कार्रवाई, अवैध मदिरा के खिलाफ 5 प्रकरण दर्ज

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मदिरा के संग्रहण एवं विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग द्वारा देपालपुर क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई की गई। कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार कंट्रोलर कमलेश सोलंकी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में 11 सितंबर को आबकारी वृत्त देपालपुर की टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। आबकारी विभाग के अनुसार उप निरीक्षक राजेश वट्टी एवं टीम द्वारा ग्राम छदोड़ा, गौतमपुरा, बछोड़ा, सेजवानी, शिवगढ़ एवं मेठवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध मदिरा के संग्रहण एवं विक्रय से जुड़े मामलों में आरोपी सोनू पिता विकास, शैलू पिता जगदीश एवं भूरीबाई पति राजेश के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 36(क) के तहत कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। कार्रवाई में आरक्षक राशि सोलट, मुख्य आरक्षक रवींद्र कुमार बघेल एवं आरक्षक सावन सिसोदिया का सराहनीय योगदान रहा। वहीं, कई बार कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की छवि को प्रभावित करने वाले समाचार प्रकाशित करते हैं। ऐसे मामलों में समाचार की निष्पक्षता और उसके पीछे के तथ्यों की पड़ताल बेहद जरूरी है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य जनहित में सही तथ्य सामने रखना और जवाबदेही तय करना है, न कि व्यक्तिगत दबाव, दुर्भावना या किसी अन्य उद्देश्य से किसी अधिकारी की प्रतिष्ठा को प्रभावित करना। स्वयं को सत्य और निष्पक्षता का प्रतीक बताना आसान है, लेकिन वास्तविक पत्रकारिता की कसौटी तथ्य, प्रमाण, निष्पक्षता और दोनों पक्षों का दृष्टिकोण है। इसलिए किसी भी अधिकारी या विभाग के विरुद्ध गंभीर आरोपों को प्रकाशित करने से पहले उनके प्रमाण, संबंधित पक्ष का पक्ष और आधिकारिक रिकॉर्ड की पुष्टि किया जाना आवश्यक है। यही जिम्मेदार पत्रकारिता है और यही लोकतंत्र में मीडिया की वास्तविक भूमिका भी है।

मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम के तहत गठित समिति की हुई बैठक

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 17 क (1) के अंतर्गत गठित समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में बड़वानी विधायक श्री राजन मंडलोई, गणमान्यजन श्री महेंद्र कुलकर्णी, ग्राम पंचायत बड़गांव एवं बड़वानी खुर्द के सरपंच एवं मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिकारी, बड़वानी सीएमओ श्रीमती सोनाली शर्मा भी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि नगर तथा ग्राम निवेश विकास समिति शहरों के विकास से संबंधित योजना बनाती है। आयोजित बैठक में विकास कार्य के संबंध में जो भी आपत्तियां शहर वासियों के द्वारा दर्ज हुई है, उन सभी आपत्तियों की सुनवाई समिति के समक्ष की गई। सुनवाई के दौरान आपत्तिकर्ता ने स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति के बारे में बताया। समिति ने उन्हें बताया किया कि नियमानुसार होने पर उनकी आपत्ति का निराकरण कर शासन को भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत फतेहपुरा में जन-विश्वास शिविर आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि मेघनगर क्षेत्र में समस्या के निवारण के लिए मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत पिछले कई दिनों से प्रशासन द्वारा क्षेत्र में पहुंचकर इन समस्याओं को समझने का प्रयास किया गया है। मेघनगर आसपास की ग्राम पंचायतों फूटतालाब, अगराल, झाराडाबर, छोटा घोंसलिया, गुजरपाड़ा, बैडावली, फतेहपुरा, आमलीपठार, राखड़िया और कालियावीरान में लोगों की समस्याओं को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को केवल देखने के लिए लगभग 70 जिला स्तरीय अधिकारियों सहित ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को क्षेत्र में भेजा गया है। अधिकारियों को सभी ग्राम पंचायतों में जाकर स्कूल, आंगनवाड़ी, पेयजल व्यवस्था, सड़क, नाली और खेतों की स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने स्वयं भी क्षेत्र में भ्रमण कर हैंडपंप का पानी पीकर, रास्तों और नालियों के साथ खेतों की स्थिति देखी और ग्रामीणों की समस्याओं को समझा।

कार्यालय : नगर पालिक निगम, उज्जैन

क्रमांक / स्वा.वि. / 2026 / 2194 — उज्जैन, दिनांक 10/09/2026

(चतुर्थ निविदा-विज्ञप्ति)

नगर पालिक निगम, उज्जैन द्वारा इच्छुक संस्था/फर्म/कम्पनी से निम्नांकित कार्य के लिये ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। टेण्डर फार्म का मूल्य 5000/- रुपये रहेगा तथा निविदा ऑनलाइन क्रय करने व ऑनलाइन ई.एम.डी. राशि व समस्त दस्तावेज SUBMISSION करने की प्रारम्भ, दिनांक 03.09.2026 समय 09:00 व अंतिम दिनांक 19.09.2026 सांय 06:00 बजे निविदा की तकनीकी बीड खोलने की 21.09.2026 रहेगी। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं जानकारी शासन की वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.	कार्य का नाम	निविदा क्रमांक	अनुमानित लागत	अर्नेस्ट मनी रुपये	समय अवधि
1	पशु जन्म नियंत्रण यूएसएससी में आवारा श्वानों का बंध्याकरण (नसबंदी) व टीकाकरण संबंधित कार्य।	2026_ UDA_505246_4	35.00 लाख	25,250/-	365 दिवस (एक वर्ष)

श्रीमान अपर आयुक्त महोदय की स्वीकृति अनुसार।

सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम उज्जैन
दिनांक : 10/09/2026

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में माटी के गणेश कार्यशाला का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से माटी के गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने की।

कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में सुश्री अक्षता यादव, श्री वत्सला सामाजिक संस्था तथा सुश्री निहारिका अश्विनी, रूपांतरण सामाजिक एवं जनकल्याण संस्था से उपस्थित रहीं। प्रशिक्षकों द्वारा छात्राओं को मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा निर्माण की विभिन्न विधियाँ समझाई गईं तथा चरणबद्ध रूप से प्रतिमा निर्माण करवाया गया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आकर्षक एवं मनमोहक गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया। इस दौरान प्रशिक्षकों एवं छात्राओं के बीच भगवान गणेश के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों तथा गणेशोत्सव की सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय महत्ता पर संवाद भी हुआ। छात्राओं ने कार्यशाला में प्राप्त अपने अनुभव सभी के

साथ साझा किए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने गणेशोत्सव की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने स्वतंत्रता संग्राम के दौर में गणेशोत्सव को सार्वजनिक स्वरूप प्रदान कर इसे सामाजिक एकता, जन-जागरण और राष्ट्रीय चेतना का माध्यम बनाया। उस समय गणेशोत्सव ने लोगों को एक साझा मंच प्रदान किया और सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज वही गणेशोत्सव बदलते समय की पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच एक नए सामाजिक दायित्व का संदेश दे रहा है।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि आस्था और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को साथ लेकर चलना आज की आवश्यकता है। मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमा हमारी परम्परा, सृजनशीलता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का सुंदर समन्वय है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे स्वयं मिट्टी के गणेश बनाएं तथा अपने परिवार एवं समाज को भी पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव के लिए प्रेरित करें। उन्होंने गणेशोत्सव की अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हमारी पूजा-पद्धति ऐसी हो, जिससे प्रकृति को किसी प्रकार की क्षति न पहुँचे।

कार्यशाला में महाविद्यालय के डॉ. महेंद्र कुमार जैन, डॉ. लीना शाह, डॉ. मधु खंडेलवाल, डॉ. एकता दुबे, डॉ. योगिता खटके एवं डॉ. मुनि प्रसाद मिश्रा सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। शिक्षकगण ने छात्राओं द्वारा निर्मित गणेश प्रतिमाओं का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी मोनिका परमार ने किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा निर्मित गणेश प्रतिमाओं की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे महाविद्यालयीन सदस्यों एवं छात्राओं ने सराहा एवं प्रोत्साहित किया। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी रूपाली झीनीवाल द्वारा किया गया।

गांव-गांव नुक्कड़ नाटक बताएंगे 25 साल की सेवा और योजनाओं की कहानी

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान- स्कूल-कॉलेज, पंचायत और सार्वजनिक केंद्रों पर होंगी प्रस्तुतियां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत 'नमो सेवा गाथा' के माध्यम से सरकार के 25 वर्षों के सेवा कार्य, प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और देश में आए बदलावों की कहानी नुक्कड़ नाटकों के जरिए गांव-गांव तक पहुंचाई जाएगी। प्रस्तुतियां भावनात्मक और संगीतमय होंगी। इसके लिए सामाजिक न्याय विभाग को नोडल सहयोगी विभाग बनाया गया है।

स्कूल-कॉलेज से पंचायत तक आयोजन- कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने निर्देश दिए हैं कि नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुतियां स्कूल, कॉलेज, पंचायत, सामुदायिक केंद्र सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कराई जाएं।

संस्कृति विभाग से मिलने वाली हिंदी पटकथा और ध्वनि सामग्री को स्थानीय भाषा में रूपांतरित किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय कलाकारों, लेखकों और वाचन कलाकारों की मदद ली जाएगी। संगीत के साथ स्थानीय भाषा में तैयार प्रस्तुति में मूल कहानी, भावना और केंद्रीय संदेश में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा।

हर प्रस्तुति की होगी रिकॉर्डिंग- नुक्कड़ नाटक देखने के लिए स्थानीय नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। प्रत्येक प्रस्तुति की फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाएगी। इनमें से चयनित लघु वीडियो को सामाजिक माध्यमों के खातों पर साझा किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य सरकार के सेवा कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं से आए बदलावों की जानकारी आम लोगों तक प्रभावी तरीके से पहुंचाना है।

किराए के मकान में मिली होटलकर्मी की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होटल में काम करने वाले युवक की शुक्रवार शाम किराए के मकान में लाश मिलना सामने आया है। कजिन भाई ने कॉल किया था जवाब नहीं मिलने पर वह घर पहुंचा था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

खाराकुआं थाना एएसआई अजय कुमार माथुर ने बताया कि शाम को सूचना मिली थी कि मोदी की गली स्थित चौरसिया के मकान में किराए से रहने वाला युवक मृत पड़ा हुआ है। घटनास्थल पहुंचने पर मृतक का नाम सुरेंद्र पिता जगदीश बघेल 40 साल निवासी भिंड होना सामने आया।

कजिन भाई रामवरन ने बताया कि सुरेंद्र सतयुग होटल में उस्ताद का काम करता था। उसे सुबह कॉल किया था लेकिन उसने जवाब नहीं दिया, शाम को वह मिलने के लिए मोदी की गली पहुंचा था इस दौरान दरवाजा खुला था और सुरेंद्र जमीन पर पड़ा हुआ था। एएसआई माथुर के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर बॉडी अस्पताल पहुंचाई गई है। आशंका है कि अटैक के चलते उसकी मौत हुई है। भिंड से परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

फाइनेंस कंपनी में काम करने वाला युवक घर में मिला मृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फाइनेंस कंपनी में काम करने वाले युवक के शुक्रवार सुबह घर में लाश मिलना सामने आया। पत्नी निजी अस्पताल में नर्स है जो नाइट ड्यूटी करने गई थी। युवक 2 साल की बेटी के साथ घर में अकेला था। आशंका हार्ट अटैक जताई गई है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के खंडेलवाल नगर में ग्राम गोपाल सुनवानी विजयागंज मंडी का शुभम पिता जुगल किशोर निगम 32 अपनी पत्नी मुस्कान और 2 साल की बेटी अनिका के साथ रहता था और फाइनेंस कंपनी में काम करता था। उसकी पत्नी निजी अस्पताल में नर्स थी। गुरुवार-शुक्रवार रात पत्नी मुस्कान की नाइट ड्यूटी थी वह अस्पताल चली गई थी। आधी रात को उसने पति को मोबाइल पर कॉल किया लेकिन रिसीव नहीं हुआ, कई बार मोबाइल की पूरी रिंगटोन बजी, शुभम ने फोन नहीं उठाया। पत्नी को लगा कि गहरी नींद में होगा, सुबह सुबह दोबारा से कॉल किया, पति ने कोई जवाब नहीं दिया। मुस्कान ने पड़ोस में रहने वाले भूपेंद्र नामक युवक को कॉल किया और घर जाकर देखने की बात कही। भूपेंद्र के पहुंचने पर शुभम बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ा मिला बेटी पास में ही सो रही थी।

खबर मिलते ही मुस्कान घर लौटी, मामले की जानकारी लगने पर पुलिस भी पहुंच गई थी। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि मामला संदिग्ध होने पर शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। आशंका है कि संभवत शुभम को हार्ट अटैक हुआ है। रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। परिजनों के अनुसार कुछ साल पहले ही शुभम पत्नी और बेटी के साथ खंडेलवाल नगर में रहने आया था।

ट्रेन में चलते समय दो महिला के हाथों से सोने के कंगन चोरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन पर इन दिनों बदमाश भीड़ का फायदा उठाकर यात्रियों के साथ चोरी को अंजाम दे रहे है। जीआरपी ने 2 महिलाओं की शिकायत पर ट्रेन में चढ़ते समय भीड़ के बाद हाथ से कंगन चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है। जीआरपी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

बताया जा रहा है कि उज्जैन से हैदराबाद जाने के लिये साधना मिश्रा रेलवे स्टेशन पहुंची थी। काचीगुडा एक्सप्रेस के बी-3 कोच में चढ़ते वक्त उनके हाथ से सोने का कंगन गायब हो गया। कोच की बर्थ नम्बर 51 में बैठते ही उन्हे हाथ में कंगन दिखाई नहीं दिया तो मामले की शिकायत जीआरपी थाने पहुंचकर की। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया और जांच शुरू की। इसी बीच देवासरोड आजाद नगर उज्जैन में रहने वाला जवेरी परिवार भी जीआरपी थाने पहुंचा। अभिसार जवेरी ने पुलिस को बताया कि अपनी मां मंजुला जवेरी, बहन को इंदौर-खडकी स्पेशल टेःन में बैठाने के लिये प्लेटफार्म नम्बर 5 पर पहुंचा था। मां और बहन बडोदारा जा रहे थे। कोच बी-1 में दोनों को बैठाया और स्टेशन से बाहर आ गया, तभी बहन का कॉल आया कि मां के हाथ सोने का कंगन गायब हो गया है। जीआरपी ने उक्त मामले में अज्ञात बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। वही जीआरपी की टीम आरपीएफ टीम के साथ मिलकर प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देख भीड़ के बीच संदिग्धों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। महाकाल लोक बनने के बाद धार्मिक नगरी में प्रतिदिन ट्रेन यात्रा कर लाखों की संख्या में यात्री उज्जैन पहुंच रहे है। जिसके चलते स्टेशन के प्लेटफार्मो पर भीड़ का दबाव काफी अधिक दिखाई दे रहा है। इसी का फायदा बदमाशों द्वारा उठाया जा रहा है। बदमाश चलती ट्रेन में भी चोरियों को अंजमा दे रहे है।

उज्जैन शहर के विभिन्न आंगनवाड़ी केन्द्रों में सहायिकाओं की अनंतिम चयन सूची जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत उज्जैन शहर की विभिन्न परियोजनाओं में आंगनवाड़ी सहायिका पदों की अनंतिम चयन सूची जारी कर दी गई है। यह सूची एम.पी. ऑनलाइन के चयन पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है तथा संबंधित कार्यालयों एवं केन्द्रों पर भी चस्पा की गई है। परियोजना कार्यालय उज्जैन शहर-02 के अंतर्गत वार्ड-28 आंगनवाड़ी केन्द्र पीपली, वार्ड-27 आंगनवाड़ी केन्द्र नागौरी मोहल्ला एवं वार्ड-42 आंगनवाड़ी केन्द्र रामीनगर; परियोजना कार्यालय उज्जैन शहर-03 के अंतर्गत वार्ड-16 आंगनवाड़ी केन्द्र भुवनेश्वरी आदी।

40 दिन में 1 करोड़ 88 लाख श्रद्धालु पहुंचे महाकाल के दरबार

मंदिर समिति को 31 करोड़ की आय-मंदिर में 1.34 करोड़ ने किए दर्शन, सवारी और नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए पहुंचे 53.95 लाख श्रद्धालु

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण-भादौ में बाबा महाकाल की नगरी में आस्था का महासंगम देखने को मिला। 30 जुलाई से 7 सितंबर तक 40 दिनों में 1,88,53,747 से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। इनमें 1,34,58,747 श्रद्धालु सीधे मंदिर में दर्शन करने पहुंचे, जबकि महाकाल की सवारियों और भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए करीब 53,95,000 श्रद्धालु पहुंचे। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से उज्जैन में पूरे श्रावण-भादौ के दौरान लगातार भक्तों की भीड़ बनी रही।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या का असर महाकालेश्वर मंदिर की आय पर भी नजर आया। श्रावण-भादौ में शीघ्र दर्शन व्यवस्था से ?17,98,61,750 की आय हुई। वहीं महाकाल लड्डू प्रसादी की 2760.139 क्विंटल बिक्री हुई, जिससे 13,06,20,500 रुपए की राशि प्राप्त हुई। दोनों मदों से मंदिर समिति को कुल 31,04,82,250 रुपए यानी 31.04 करोड़ रुपए की आय हुई।

लड्डू की 2760 क्विंटल से ज्यादा बिक्री- महाकाल मंदिर की लड्डू प्रसादी श्रद्धालुओं के बीच खास आकर्षण बनी रही। 40 दिनों में 2760.139 क्विंटल यानी 2.76 लाख किलो से अधिक लड्डू प्रसादी की बिक्री हुई। इससे साफ है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के साथ प्रसादी भी लेकर लौटे।

सवारी और नागचंद्रेश्वर दर्शन ने बढ़ाया आंकड़ा- श्रावण-भादौ में बाबा महाकाल की सवारियां प्रमुख आकर्षण रहीं। सवारी के दौरान मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इसके साथ ही भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। इन दोनों को मिलाकर करीब 53.95 लाख श्रद्धालुओं की संख्या रही। यही वजह है कि पूरे श्रावण-भादौ का कुल दर्शन आंकड़ा 1.88 करोड़ के पार पहुंच गया।

भीड़ के साथ व्यवस्थाओं का भी इम्तिहान- श्रद्धालुओं की इस रिकॉर्ड भीड़ को देखते हुए महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने दर्शन व्यवस्था के साथ सवारी, प्रसादी, पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा के इंतजाम बड़े स्तर पर किए। भीड़ की स्थिति के अनुसार व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की गई और जरूरत के मुताबिक बदलाव भी किए गए।

श्रावण-भादौ में सामने आए आंकड़े महाकाल दर्शन के बढ़ते आकर्षण की तस्वीर पेश करते हैं। 40 दिनों में करीब 1.89 करोड़ श्रद्धालुओं की आस्था, 2760 क्विंटल से अधिक लड्डू प्रसादी की बिक्री और 31.04 करोड़ रुपए की आय ने इस बार के धार्मिक आयोजन को खास बना दिया।

भाजपा विधायक का बड़ा बयान.. जनभावना खड़े हनुमान मंदिर को यथास्थान रखने की

विधायक मालवीय बोले , राजसी सवारी में लाखों श्रद्धालु आए, नहीं हुई यातायात में परेशानी- सड़क पर्याप्त चौड़ी, फिर मंदिर हटाने की जरूरत क्यों

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच खड़े हनुमान मंदिर को हटाने का मामला अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रह गया है। मंदिर हटाने की कार्रवाई को लेकर चल रहा विरोध अब राजनीतिक रंग लेने लगा है। शुक्रवार को भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय खड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने हनुमानजी के दर्शन कर मंदिर को यथास्थान रखने की खुलकर पैरवी की। विधायक के इस रुख के बाद मंदिर को लेकर चल रही बहस और तेज हो गई है।

भारतीय जनता पार्टी के मालवीय ने कहा कि जनभावना बाबा को यथास्थान रखने की है। सड़क पहले ही पर्याप्त चौड़ी हो चुकी है, ऐसे में मंदिर हटाने का कोई कारण नजर नहीं आता। उन्होंने कहा कि वे स्वयं खड़े हनुमानजी के नियमित दर्शनार्थी हैं और मंदिर से उनकी आस्था जुड़ी है। दर्शन के दौरान उन्होंने उज्जैन और मध्यप्रदेश की समृद्धि तथा विकास की प्रार्थना की।

हजारों साल पुराने मंदिरों की नगरी है उज्जैन- भाजपा विधायक ने मंदिर की प्राचीनता का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्जैन केवल एक शहर नहीं, बल्कि देश की प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक नगरी है। यहां हजारों साल पुराने मंदिर और धार्मिक स्थल मौजूद हैं। ऐसे में विकास कार्यों के साथ आस्था और प्राचीन धरोहरों का संरक्षण भी जरूरी है। मालवीय ने कहा कि विकास जरूरी है, लेकिन ऐसा रास्ता निकाला जाना चाहिए, जिससे विकास भी हो और श्रद्धालुओं की आस्था भी बनी रहे। उनके बयान से साफ है कि वे मंदिर को हटाने के बजाय मौजूदा व्यवस्था में ही समाधान तलाशने के पक्ष में हैं।

राजसी सवारी में लाखों की भीड़, फिर नहीं हुई बड़ी परेशानी-मालवीय ने अपने पक्ष में पिछले सोमवार को निकली महाकाल की राजसी सवारी का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि राजसी सवारी में करीब 8 से 10 लाख श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे थे। इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद यातायात और व्यवस्थाओं में कोई बड़ी परेशानी सामने नहीं आई। ऐसे में उनका सवाल है कि जब इतने बड़े धार्मिक आयोजन के दौरान व्यवस्था संभाली जा सकती है तो खड़े हनुमान मंदिर को हटाने की जरूरत क्यों है?

भाजपा विधायक ने कहा कि मंदिर को यथास्थान रखते हुए भी सड़क और यातायात की व्यवस्था को बेहतर किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री के संज्ञान में मामला, फैसले की उम्मीद- मालवीय ने कहा कि खड़े हनुमान मंदिर का मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संज्ञान में है। उन्हें उम्मीद है कि जनभावना को ध्यान में रखते हुए इस मामले में ऐसा निर्णय लिया जाएगा, जिससे मंदिर भी यथास्थान रहे और सिंहस्थ की तैयारियों के तहत विकास कार्य भी आगे बढ़ सकें।

उमा भारती पहले ही कर चुकी हैं सीएम से हस्तक्षेप की मांग- खड़े हनुमान मंदिर के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख चुकी हैं। उन्होंने मंदिर को लेकर समाधान निकालने की मांग करते हुए भोपाल में सड़क चौड़ीकरण का उदाहरण दिया था। उमा भारती ने कहा था कि वहां सड़क की योजना में बदलाव कर कमलापति पार्क के आगे स्थित मस्जिद को यथावत रखा गया था। इसी तरह उज्जैन में भी ऐसा रास्ता निकाला जा सकता है, जिससे मंदिर को हटाए बिना विकास कार्य हो सके। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने विकास और आस्था को साथ लेकर चलने की जरूरत बताई थी। अब विधायक मालवीय के मंदिर के पक्ष में खुलकर सामने आने के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक हस्तक्षेप और बढ़ता दिखाई दे रहा है।

विधायक बोले- मंदिर और मस्जिद को एक तराजू पर न तौलें- मीडिया से चर्चा के दौरान भाजपा विधायक मालवीय से उज्जैन की शाही मस्जिद को लेकर हाईकोर्ट के फैसले और मंदिर-मस्जिद के मामलों को लेकर भी सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के निर्णय का सभी को स्वागत करना चाहिए। उन्होंने मंदिर और मस्जिद के मामलों को एक ही तराजू पर तौलने को उचित नहीं बताया। मालवीय ने कहा कि शाही मस्जिद के मामले में हाईकोर्ट का फैसला आया है और वहां करीब 15 फीट हिस्से का सवाल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुस्लिम पक्ष भी हाईकोर्ट के निर्णय का स्वागत करेगा और विकास कार्य में सहयोग करेगा।

प्रशासनिक कार्रवाई के बीच बढ़ा राजनीतिक दबाव-खड़े हनुमान मंदिर को हटाने की कार्रवाई को लेकर पहले से ही स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में नाराजगी है। अब भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय के मंदिर के पक्ष में खुलकर सामने आने और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखे जाने से मामला और संवेदनशील हो गया है। एक तरफ सिंहस्थ 2028 के लिए सड़क चौड़ीकरण और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन तेजी से काम कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्राचीन मंदिर को बचाने की मांग जोर पकड़ रही है। ऐसे में अब निगाहें मुख्यमंत्री और प्रशासन के अगले निर्णय पर टिक गई हैं कि विकास की राह में मंदिर हटेगा या फिर योजना में बदलाव कर खड़े हनुमानजी को यथास्थान रखा जाएगा।

सिंहस्थ की 50 किमी सड़कों के लिए पहली जमीन की रजिस्ट्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ के लिए प्रस्तावित करीब 50 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज हो गई है। उज्जैन विकास प्राधिकरण ने आपसी सहमति से अधिग्रहित भूमि की पहली रजिस्ट्री गुरुवार को कराई।

उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी के मुताबिक ग्राम भीतरी निवासी किसान पंकज पिता राजेन्द्र कुमार की सर्वे क्रमांक 30 में से 0.026 हेक्टेयर भूमि गड़कालिका से ओखलेश्वर सड़क निर्माण के लिए रजिस्ट्री के माध्यम से प्राधिकरण को मिली है। इसके बदले किसान को 6.24 लाख रुपए का भुगतान किया गया। दरअसल, सिंहस्थ के लिए महत्वपूर्ण मार्गों के निर्माण के लिए किसानों की जमीन ली जा रही है। इसी क्रम में 8 सितंबर को संबंधित किसानों को भूमि अधिग्रहण की राशि के चेक वितरित किए गए थे। इसके बाद 10 सितंबर को पहली रजिस्ट्री संपादित की गई।

सहमति से हो रहा भूमि अर्जन- अधिकारियों के अनुसार सिंहस्थ के लिए प्रस्तावित करीब 50 किलोमीटर सड़कों के निर्माण में किसान लगातार सहयोग कर रहे हैं। शेष भूमि के अर्जन की प्रक्रिया भी किसानों की सहमति और समन्वय से आगे बढ़ाई जाएगी। प्राधिकरण का कहना है कि भूमि अर्जन में पारदर्शिता और आपसी सहमति को प्राथमिकता दी जा रही है। उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. रवि सोलंकी की मौजूदगी में भूमि अर्जन की शेष कार्रवाई पूरी कर रजिस्ट्रियां कराई जाएंगी। इन सड़कों के निर्माण का उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर आवागमन और सुगम यातायात व्यवस्था तैयार करना है। प्राधिकरण का दावा है कि किसानों के सहयोग से आवश्यक सड़क अधोसंरचना को समयबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा।

दो दिन बाद दिल्ली से आएगी रेलवे की टीम, उज्जैन स्टेशन की सफाई परखेगी

पिछले दिनों वरिष्ठ अधिकारियों को गंदगी मिली थी- अमला हुआ अलर्ट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन रेलवे स्टेशन की साफ-सफाई व्यवस्था अब दिल्ली से आने वाली रेलवे टीम के निशाने पर है। करीब दो दिन बाद दिल्ली से रेलवे की टीम स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचेगी। टीम स्टेशन परिसर में सफाई के साथ यात्रियों से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लेगी।

दरअसल, पिछले दिनों रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उज्जैन स्टेशन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सिंहस्थ से संबंधित निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। स्टेशन परिसर का निरीक्षण करने पर उन्हें कई जगह गंदगी दिखाई दी, जिस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद अब दिल्ली से टीम भेजे जाने की सूचना से स्थानीय रेलवे अमले में हलचल बढ़ गई है।

निरीक्षण से पहले सफाई पर जोर- दिल्ली की टीम के दौरे की खबर मिलते ही स्थानीय स्तर पर स्टेशन की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्लेटफॉर्म, परिसर और यात्रियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा अन्य व्यवस्थाओं को भी व्यवस्थित किया जा रहा है, ताकि निरीक्षण के दौरान किसी तरह की कमी सामने न आए।

आरपीएफ-जीआरपी भी अलर्ट- स्टेशन की सफाई के साथ सुरक्षा और यात्री व्यवस्था को लेकर भी आरपीएफ और जीआरपी को अलर्ट किया गया है। टीम के निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर व्यवस्थाएं सुचारु रहें, इसके लिए संबंधित विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। सिंहस्थ के दौरान उज्जैन स्टेशन पर यात्रियों का दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए रेलवे की ओर से अभी से व्यवस्थाओं को कसने की कवायद की जा रही है।

आबकारी विभाग की गांवो में दबिश, 4 युवक गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सागर में हुए जहरीली शराब कांड के बाद उज्जैन जिले में अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों पर शिकंजा कसने के लिए आबकारी विभाग पूरी तरह से मैदान संभाल चुका है। बीती रात 8 टीम मैदान में उतरी एक बार फिर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले चार दिनों से लगातार आबकारी की टीम में अवैध देशी शराब के साथ हाथ भट्टी पर बनने वाली शराब बरामद कर रही है।

आबकारी नियंत्रण कक्ष अधिकारी मुकेश रंदा ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। सहायक आबकारी आयुक्त निधि जैन के मार्गदर्शन में गठित 8 टीमों ने उज्जैन, महिदपुर, बड़नगर, खाचरोद और तराना क्षेत्र में दबिश और चेकिंग की। कार्रवाई में 9 प्रकरण दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि वाहन और शराब करीब 1.49 लाख रुपए का माल जब्त किया गया। महिदपुर टीम ने ग्राम सिमरोल में बद्री सिंह के खेत किनारे बनी झोपड़ी से 25 लीटर हाथभट्टी महुआ शराब जब्त की। साथ ही करीब 300 किलो महुआ लहान बरामद कर दो प्रकरण दर्ज किए गए। खाचरोद में भी 4 मटकों से करीब 80 किलो लहान जब्त किया गया।

बाइक पर शराब ढोते दो आरोपी पकड़े- शहर की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए पंकज बेस और लक्की कुशवाहा को पकड़ा। दोनों आरोपी मोटरसाइकिलों से 25 और 30 क्वार्टर देशी शराब का अवैध परिवहन कर रहे थे। दोनों बाइक जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

फार्मा कंपनियों में इथेनॉल-मेथनॉल की जांच

आबकारी टीम ने ड्रग इंस्पेक्टर के साथ विक्रम उद्योगपुरी स्थित Symbiotech फार्मा और श्रीनिवास फार्मा का निरीक्षण किया। यहां इथेनॉल, मेथेनॉल और आइसोप्रोपाइल अल्कोहल की स्टोरेज, सेंडिंग यूनिट और उपयोग से जुड़ी जानकारी जुटाई गई। टीम ने बड़नगर-उज्जैन और बड़नगर-बदनावर मार्ग पर होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट खंगाले गए। सीमा से आने वाले वाहनों की भी सघन चेकिंग हुई।

53 न्यायिक खण्डपीठों में होगा नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 12 सितंबर 2026 को जिला न्यायालय उज्जैन सहित तहसील सिविल न्यायालय खाचरौद, नागदा, तराना, महिदपुर एवं बड़नगर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के अध्यक्ष श्री पी.सी. गुप्ता के मार्गदर्शन में लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए कुल 53 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया है। इनमें जिला न्यायालय उज्जैन में 32, खाचरौद में 04, नागदा में 04, तराना में 04, महिदपुर में 04 तथा बड़नगर में 05 न्यायिक खण्डपीठें शामिल हैं।